मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 27 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 9 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 136 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जो हुआ वह होना ही था
अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों और कविताओं से प्रेरित हैं बैटल ऑफ गलवान का गाना मातृभूमि के बोल ◀◀ 6

ट्रक- ने बाइक मे मारी टक्कर, चार युवकों की मौत

केटीएम बाइक पर सवार चारों युवक ट्रक को ओवरटेक करने का कर रहे थे प्रयास

पश्चिमी सिंहभूमः जिले के कराईकेला थाना के समीप भीषण सड़क दुर्घटना हुई। जिसमे 4 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक चारों युवा एक ही केटीएम बाइक में सवार थे। ट्रक से आगे निकलने की होड़ चल रही थी। करायकेला थाने के गेट के पास ही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार सभी चार लोग गंभीर से गिर पड़े। घटना स्थल पर तीन लड़कों की मौत हो गई वहीं एक लड़का की मौत इलाज के दौरान हो गई। यह घटना कराईकेला थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुई।

ग्रामीणों के मुताबिक मोटरसाइकिल पर चार युवक सवार थे, और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे के तुरंत बाद,

कराईकेला थाना प्रभारी प्यारे हसन ने घायलों को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल ले जाने में मदद की। लेकिन मेडिकल जांच में तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि चौथे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतकों में एक चाइबासा सदर थाना के अंकुलटूटी गांव के आकाश कुदादा (22 वर्ष), दो सरायकेला के कुचई थाना के सेलाईडीह के आकाश गोप (19 वर्ष) और रवि बिरुली (20 वर्ष) और एक जमशेदपुर सुंदरनगर थाना के कुदादा गांव के अर्जुन टुडु (19 वर्ष) थे। पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। परिजन चक्रधरपुर पहुंचकर शव की पहचान की है । सभी युवक तेज रफ्तार केटीएम मोटरसाइकिल पर थे, जिससे यह हादसा हुई है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ने अपनी गाड़ी लेकर रांची की दिशा में फरार हो गया। लेकिन पुलिस ने फौरन एक्शन लेते बंदगांव थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रात के समय ट्रक को बंदगांव में जब्त कर लिया। शुरूआती जांच में ट्रक की तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना रविवार रात डेढ़ दो बजे की घटना है। चक्रधरपुर से कराईकेला की दूरी लगभग दस किलोमीटर दूर है। वहीं ट्रक भागने के दौरान बंदगांव थाने में पकड़ा गया है। कराईकेला से बंदगांव करीब 40 किलोमीटर दूर है। पुलिस हर मामले की गंभीरता पूर्वक जांच कर रही है। इतनी बड़ी घटना घटने से पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। इतनी रात को चारों लड़का कहां जा रहे थे वह भी एक ही गाड़ी में यह चर्चा का विषय है।

जमशेदपुर से लापता उद्यमी कैरव गांधी आज तड़के हजारीबाग में मिला

13 जनवरी से था लापता

जमशेदपुर : 13 जनवरी से अपहृत जमशेदपुर के एक उद्योगपति का बेटा मंगलवार तड़के हजारीबाग जिले के बरही से मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उद्योगपति देवांग गांधी के बेटे कैरव (24) का अपहरण उस समय किया गया था, जब वह सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अपने कार्यालय जा रहा था।

शहर के पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने बताया, जमशेदपुर पुलिस ने आज उसे खोज लिया। उसे तड़के करीब साढ़े चार बजे उसके घर भेजा गया।" उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस को घटना की रात राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर कांदेरबेड़ा इलाके से कैरव की कार मिली थी।

शिफ्टिंग कर रहे थे अपराधीः जमशेदपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बिहार का

एक बड़ा किडनैपिंग गिरोह इस वारदात के पीछे शामिल है। जमशेदपुर पुलिस का कहना है कि कारोबारी कैरव गांधी को किडनैपर्स हर दिन एक जगह से दूसरे जगह शिफ्ट कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को यह इनपुट मिला कि हजारीबाग के चौपारण के आसपास बिहार वाले इलाके से कारोबारी को एक बार फिर शिफ्ट किया जा रहा है। इसी सूचना पर पुलिस की कई टीमों ने एक साथ दबिश बनाई। इस दौरान अपराधी कैरव को कार में ही छोड़कर फरार हो गए। जिसके बाद कैरव गांधी को सकुशल बरामद कर लिया गया और जमशेदपुर पुलिस ने उन्हें सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया।

देवांग गांधी ने पुलिस का जताया आभारः मामले को लेकर कोल्हान का सबसे बड़ा व्यवसायिक संगठन सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मानव केडिया ने बताया कि जमशेदपुर पुलिस द्वारा कैरव गांधी को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आज सुबह साढ़े चार बजे कैरव गांधी को उसके परिजनों को सौंप दिया। देवांग गांधी ने इस पूरे मामले में सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, स्थानीय पुलिस एवं झारखंड पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

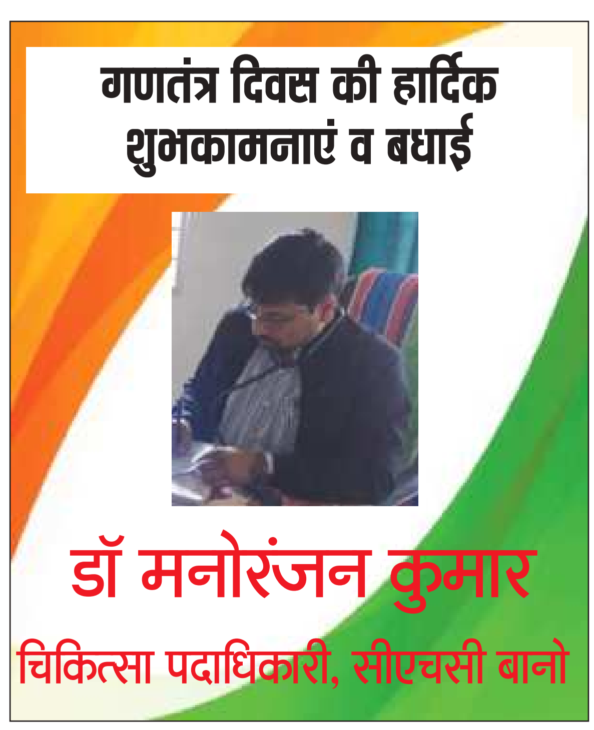

न्यूज IN ब्रीफ

सीसीएल ने 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने 77वां गणतंत्र दिवस महात्मा गांधी क्रीड़ांगण, सीसीएल गांधीनगर में उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेन्दु कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल सुरक्षा कर्मियों, सीआईएसएफ जवानों, आर्मी बैंड और डीएवी गांधीनगर स्कूल के विद्यार्थियों की परेड का निरीक्षण किया। समारोह में सीएमडी के साथ निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजुरा, सीवीओ पंकज कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, श्रमिक प्रतिनिधि, सीसीएल कर्मी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह और क्लब की अन्य सदस्य भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के शुरूआत में शांति और प्रगति के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में उड़ाया गया।

अपने संबोधन में सीएमडी श्री सिंह ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के संविधान निमार्ताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि सीसीएल भारत की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है, कोयला केवल ईंधन नहीं, बल्कि देश के औद्योगिक विकास की आधारशिला है। वर्ष 2025-26 में सीसीएल ने उत्पादन एवं प्रेषण में निरंतर सुधार किया है और कर्मचारियों-श्रमिकों के समर्पण से संगठन ऊर्जा जरूरतों को मजबूती से पूरा कर रहा है।

श्री सिंह ने बताया कि सीसीएल ने नई खदानों के विकास और बंद खदानों के पुनरुद्धार में उल्लेखनीय प्रगति की है। कोत्रे-बसंतपुर-पचमो ओपन कास्ट परियोजना (5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता) में नवंबर 2025 से उत्पादन शुरू हो चुका है। वहीं, 15 मिलियन टन क्षमता वाली चंद्रगुप्त ओपन कास्ट परियोजना सभी वैधानिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर उत्पादन प्रारंभ करने को तैयार है। पिपरवार फेज-1 अंडरग्राउंड परियोजना में इन्क्लाइन ड्राइवेज का कार्य आरंभ हो गया है और राजहरा ओपन कास्ट परियोजना में इसी माह से कोयला उत्पादन शुरू किया गया है। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सीसीएल पारंपरिक खनन से आगे बढ़कर सस्टेनेबल माइनिंग की दिशा में काम कर रहा है। अब तक 5,720 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 1 करोड़ 10 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए 28 ट्रॉली-माउंटेड, 21 ट्रक-माउंटेड फॉग कैनन, 141 मोबाइल वाटर टैंकर तथा 26 किलोमीटर लंबे विंड बैरियर लगाए गए हैं। नेट-जीरो लक्ष्य के तहत सीसीएल कुल 425 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा, जिसमें वर्तमान में 26.7 मेगावाट की स्थापित क्षमता है। पिपरवार का 20 मेगावाट सोलर प्लांट प्रतिमाह लगभग 28 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर रहा है, जिससे हर माह करीब 1.10 करोड़ रुपये की बचत हो रही है।

उन्होंने आगे कहा कि सीसीएल समाज के समावेशी विकास के लिए अपनी सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत निरंतर निवेश कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिसंबर तक सीसीएल द्वारा लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीएसआर पर खर्च की जा चुकी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में नन्हा सा दिल परियोजना के तहत 28 हजार से अधिक बच्चों की जांच हो चुकी है और 75 बच्चों की हार्ट सर्जरी कराई जा चुकी है। शिक्षा, आजीविका और खेल के क्षेत्र में भी सीसीएल द्वारा किए जा रहे प्रयास हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस और गांधीनगर केंद्रीय अस्पताल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, श्रमिकों और गणमान्य व्यक्तियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे संविधान की गरिमा और लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का एक अवसर है।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया

मुरी : मुरी के बूथ संख्या 20-21 में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस बूथ में बीएलओ मंजु देवी और क्रांति बाला देवी ने मतदाता पोस्टर चिपकाया और मतदाताओ का नाम जोड़ने की अपील की है।

शिकायत अवश्य करे, समाधान भी होगाः सुदेश महतो

मुरीः सुदेश महतो की उपस्थिति में स्वर्ण रेखा छठ घाट मुरी में गेट टू गैदर सह पिकनिक का प्रोग्राम हुआ। इस प्रोग्राम में सुदेश महतो ने कहा कि आप अपने दिल की बात स्पष्ट रूप से कहे , अपने मन की बात जरूर रखे, शिकायत करे। मै आपका नेता बाद में, पहले आपके घर का बेटा हूं। मेरा काफी लम्बा सफर राजनीति का है पर मैं पहले था, वो मैं आज भी हूँ, इस प्रोग्राम में पुराने नये सभी लोगों के लम्बे समय के साथ को जीवंत किया गया। संचालन मो फारुख ने किया। हिण्डालको के सरदार अजीत सिंह, लम्बोदर महतो ने कम समय में जरूरी बातें कही। इस मौके पर सुदेश महतो के पिता श्याम सुन्दर महतो, जिला परिषद वीणा देवी, पूर्व जिप सदस्य सुशील महतो, जयपाल सिंह, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहु, जीतु महतो, गणेश महतो, रिंकी कुमारी समेत अन्य काफी संख्या में मौजूद थे।

सिल्ली- मुरी में हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

सिल्लीः प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में 77वां गणतंत्र दिवस काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थानीय विधायक अमित महतो की उपस्थिति में सिल्ली कॉलेज सिल्ली में कॉलेज कर्मी मो सरु बाला देवी, झामुमो कार्यालय में जिप सदस्य लक्ष्मी देवी,प्रखण्ड मुख्यालय के प्रांगण मे प्रखंड प्रमुख,सिल्ली थाना के प्रांगण थाना प्रभारी नवीन कुमार, मुरी ओपी प्रांगण में प्रभारी राहुल कुमार रूटसेट संस्थान में डायरेक्टर संजीत कुमार आदि समेत प्रखंड के सभी सरकारी एंव गैरसरकारी संस्थानों में झंडोत्तोलन किया गया। इस मौके पर कई पदाधिकारी,कर्मी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति बढ़ चढ़कर भाग लिए।

गणतंत्र दिवस पर सीएम ने लंदन स्थित ऐतिहासिक आवास में बाबा साहब को किया नमन, कहा

जीवन का अत्यंत भावुक, प्रेरणादायी और सौभाग्यपूर्ण क्षण

संवाददाता

रांची/लंदन : गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लंदन स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के ऐतिहासिक आवास पहुंचे और संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर को अपने जीवन का अत्यंत भावुक, प्रेरणादायी और सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया।

संविधान और लोकतंत्र की मजबूत नींव का स्मरणः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व ने विविधताओं से भरे भारत को एक सशक्त, समावेशी और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की मजबूत नींव रखी। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला बने हुए हैं।

सम्मान और स्वाभिमान के अधिकार की बातः मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने देश को केवल समानता और अधिकारों का संविधान ही नहीं दिया, बल्कि हर नागरिक को सम्मान, गरिमा और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित किया। उनके आदर्श और विचार आज भी देश का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

गेस्ट बुक में दर्ज किया भावः इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. अंबेडकर के आवास पर रखी गेस्ट बुक में अपने भाव और विचार अंकित किए। उन्होंने बाबा साहेब के योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों से प्रेरणा लेने की बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और अंबेडकर म्यूजियम के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय स्वर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव बने सुनील कुमार सिंह

मोर्चा के आशा, विश्वास, व उम्मीद पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा : सुनील

संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय स्वर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह की अनुशंसा पर सुनील कुमार सिंह को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। मोर्चा के प्रति मोर्चा के उनकी सक्रियता, लग्नशीलता और निष्ठा को देखते हुए अखिल भारतीय स्वर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि सुनील कुमार सिंह को अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा से जुड़ने पर मोर्चा को और मजबूती मिलेगी। उनकी अनुशासन, मेहनत और मोर्चा के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए केंद्रीय कमेटी ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव की बागडोर सौंपी है। उन्होंने सुनील कुमार सिंह को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है। कहा कि सुनील कुमार सिंह को

राष्ट्रीय सचिव मनोनीत करते हुए मुझे खुशी व भरोसा हो रहा है कि, इस संगठन में कार्य कर इस मोर्चा में जुड़े समाज के लोगों के हक, अधिकार और कल्याण के निहित कार्य करने हेतु ऊजार्वान कार्यकर्ता जोड़ेंगे, तथा संगठन की समाजवादी व राष्ट्रवादी विचारधारा को सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाएंगे। वहीं सुनील कुमार सिंह ने अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह जी सहित केंद्रीय कमेटी के समस्त पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कमेटी द्वारा हमें जिस आशा, विश्वास एवं उम्मीद के साथ मोर्चा का सचिव की जिम्मेदारी सौंप गई है उसे पर मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। कहा कि सक्रिय लोगों को मोर्चा में जोड़ते हुए मोर्चा को मजबूती दिलाने का कार्य करूंगा। उम्मीद करता हूं की आने वाला समय में हमारे संगठन का पूरे देश में एक अलग पहचान होगी। सुनील कुमार सिंह को अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर रामेश्वर दयाल सिंह, अशोक दुबे, अभिषेक मिश्रा, सुमन कुमार सिंह,डॉक्टर बृजेश शर्मा, डॉक्टर शुभम सिंह, पवन कुमार सिंह, उज्जवल सिंह, श्याम नंदन सिंह, शिव शंकर शर्मा, वीरेंद्र सिंह, गणेश श्रीवास्तव,मुकेश कुमार सिंह, चिंटू दुबे, यश सिंह परमार, सुमित पाठक, श्रीमती सोनी सिंह, रेणुका सिंह, ममता चौहान, रेनू दुबे सहित सैकड़ो लोगों ने बधाई दी है।

गजराज का खूनी तांडव

राजमिस्त्री को पटक-पटक कर मार डाला, दो को किया अधमरा

काम से लौट रहे मजदूरों को हाथियों ने घेरा

वन विभाग की सुस्ती पर भड़के ग्रामीण

चतरा : जिले में जंगली हाथियों का आतंक अब जानलेवा हो चुका है। सदर थाना क्षेत्र के नवोदय कर्म मोड़ के समीप बीती शाम हाथियों ने जमकर तांडव मचाया। काम से लौट रहे तीन राजमिस्त्रियों पर हाथियों के झुंड ने अचानक हमला बोल दिया, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य अपनी जिंदगी और मौत के बीच अस्पतालों में जंग लड़ रहे हैं। इस घटना ने पूरे इलाके में हाहाकार मचा दिया है और वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। चतरा में हाथियों का झुंड अब यमदूत बनकर घूम रहा है। ताजा मामला बरवाडीह मंजराही गांव के तीन राजमिस्त्रियों से जुड़ा है। सोमवार शाम करीब 6:30 बजे मनोज भुइयां, विकास भुइयां और कामेश्वर भुइयां काम खत्म कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कर्म मोड़ के पास पहुँचे, अंधेरे का फायदा उठाकर जंगली हाथियों ने उन्हें घेर लिया। इससे पहले कि वे संभल पाते, हाथियों ने मनोज भुइयां को सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचलकर उसकी जान ले ली। इस हमले में 30 वर्षीय विकास भुइयां और 35 वर्षीय कामेश्वर भुइयां बुरी तरह घायल हो गए हैं। घायलों की स्थिति इतनी नाजुक है कि प्राथमिक उपचार के बाद विकास को रांची रिम्स और कामेश्वर को हजारीबाग रेफर किया गया है। हम तीनों साथ काम करके लौट रहे थे, तभी हाथियों ने अचानक हमला कर दिया। सब कुछ इतनी जल्दी हुआ कि भागने का मौका भी नहीं मिला। भाई की हालत बहुत खराब है। सीमा पंचायत के पूर्व मुखिया मिथिलेश सिंह ने बताया कि सोनपुर और रामपुर गांव में पिछले एक हफ्ते से हाथियों ने डेरा डाल रखा है। हाथी न केवल इंसानों पर हमला कर रहे हैं, बल्कि आलू, सरसों और गेहूं की फसलों को रौंद रहे हैं और घरों को तोड़ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार सूचना देने के बावजूद वन विभाग की टीम सिर्फ मूकदर्शक बनी हुई है। हाथियों के इस खूनी खेल ने चतरा प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी है। आखिर और कितनी जान जाने के बाद वन विभाग की नींद खुलेगी? फिलहाल प्रभावित गांवों में दहशत का माहौल है और लोग शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हैं।

गणतंत्र दिवस धूमधाम से संपन्न

संवाददाता

मुरी : गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर सिल्ली प्रखंड परिसर में प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बडाईक ने झंडोत्तोलन किया। प्रखंड के बीडीओ अनिल कुमार, सीओ अरूणिमा एक्का, सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार, मुरी थाना प्रभारी राहुल कुमार एंव उपस्थित सभी सम्मानित लोगों ने सलामी देते हुए राष्ट्रीय गान में शामिल हुए। भारत माता की जय, वन्दे मातरम् के नारे लगे। सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार, मुरी थाना में प्रभारी राहुल कुमार , जीआरपी में अरविंद सिंह,

आरपीएफ पोस्ट में ओसी संजीव कुमार, कस्तुरबा बालिका विद्यालय में जिला परिषद वीणा देवी, रूडसेट संस्थान में निदेशक संजीत कुमार, सिंगपुर नर्सिंग होम में डाक्टर रमणेश प्रसाद ने झंडोत्तोलन किया। सभी स्कूलों, सरकारी संस्थान और गैर संस्थानों में झंडोत्तोलन का कार्य क्रम हुआ।

टुंगरी में नहीं फहरा झंडा

मुरी : मुरी टुंगरी स्थित 75 ऊंचा फीट तिरंगा नहीं फहराया गया। यह जगह वन विभाग के अन्तर्गत आता है। राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस पर आने वाले लोगों को जब मुख्य द्वार लोहे के बेल्डिंग बेल्ड कर दिया गया था। गेट के पास उपस्थित लोगों में गुस्सा है। जिला परिषद वीणा देवी ने भी कही कि जनता के भावना के विरुद्ध बिल्कुल अनुचित कुकृत्य हुआ। उन्होंने यह भी कही कि यहाँ केवल तिरंगा ही नहीं फहराया जाता पर टुंगरी स्थित मंदिरों में लोगों के पूजा पाठ करने के उद्देश्य से आते हैं।

गणतंत्र दिवस पर भव्य व गरिमामय आयोजन, उपायुक्त ने किया झंडोत्तोलन

परेड व झांकी प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुआ मुख्य समारोह

संवाददाता

चतरा : 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले के मुख्य समारोह स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य समारोह में उपायुक्त कीर्तिश्री एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।समारोह की शुरूआत परेड निरीक्षण से हुई। इसके तहत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जीप पर सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। स्टेडियम में उपस्थित सभी पदाधिकारी, कर्मी, स्कूली बच्चे एवं आमजनों द्वारा राष्ट्रगान किया गया तथा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। झंडोत्तोलन के उपरांत परेड में शामिल विभिन्न प्लाटूनों द्वारा आकर्षक परेड प्रस्तुत की गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां निकाली गईं। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान आयोजित झांकी प्रदर्शन में जिले के कुल 12 विभागों द्वारा सहभागिता की गई, जिनमें आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला परिवहन विभाग, खनन विभाग, मत्स्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला निर्वाचन कार्यालय एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित अन्य विभाग शामिल रहे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की झांकी पर्यटन थीम पर आधारित रही, जिसमें एक ही मंच पर भद्रकाली मंदिर, तमासीन जलप्रपात, कालेश्वरी मंदिर तथा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के माध्यम से जिले की सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की झांकी को प्रथम स्थान प्रदान किया गया।वहीं स्वास्थ्य विभाग, जिला परिवहन विभाग, कृषि विभाग एवं खनन विभाग की झांकियों को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड एवं झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने उपस्थित पदाधिकारीगण, प्रेस प्रतिनिधिगण, समाजसेवियों, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि 26 जनवरी 2026 को देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। उन्होंने सभी जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्र, राज्य एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद नादिर अली खान, जय मंगल पांडेय एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं जीवंत लोकतंत्र है, जिसका आधार हमारा संविधान है, जो सभी नागरिकों के लिए मार्गदर्शक है।उपायुक्त ने अपने संबोधन में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, विद्युतीकरण एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में जिले में निरंतर प्रगति हो रही है। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, विद्युतीकरण, शिक्षा एवं डीएमएफटी मद से संचालित विकास कार्यों की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। समारोह में जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी/दक्षिणी), जिले के वरीय पदाधिकारी, सभी कार्यालयों के प्रधान, पुलिस विभाग, वन विभाग के पदाधिकारी-कर्मी, स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

इंतजार खत्म, झारखंड नगर निकाय चुनाव की हुई घोषणा

राज्य के सभी 48 शहरी निकायों में 23 को मतदान ,मतगणना 27 फरवरी को

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में लंबे समय से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर आखिरकार तस्वीर साफ हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को नगर निकाय चुनाव की औपचारिक घोषणा कर दी। इसके साथ ही राज्य के शहरी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया एक बार फिर पटरी पर लौट आई है। राज्य के सभी 48 शहरी निकायों में एक ही चरण में 23 फरवरी को मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 फरवरी को मतगणना होगी।

सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा मतदान

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

नामांकन से लेकर चुनाव चिन्ह तक का कार्यक्रम तयः चुनाव कार्यक्रम के तहत उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 जनवरी से 4 फरवरी तक चलेगी।

5 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 6 फरवरी तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। इसके बाद 7 फरवरी को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम के साथ ही सभी राजनीतिक दलों और संभावित प्रत्याशियों की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

ट्रिपल टेस्ट के बाद पहली बार नगर निकाय चुनाव

यह नगर निकाय चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक माने जा रहे हैं। ट्रिपल टेस्ट पूरा होने के बाद राज्य में पहली बार नगर निकाय चुनाव कराए जा रहे हैं। इन चुनावों में कुल 48 शहरी निकाय शामिल हैं, जिनमें 9 नगर निगम,20 नगर परिषद,19 नगर पंचायत शामिल हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2020 से ही नगर निकाय चुनाव लंबित थे। पहले कोरोना महामारी के कारण चुनाव टाल दिए गए, फिर ओबीसी आरक्षण और ट्रिपल टेस्ट को लेकर निर्णय में लगातार देरी होती रही। अंततः हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद चुनाव प्रक्रिया का रास्ता साफ हो सका।

शहरी विकास के लिहाज से अहम

नगर निकाय चुनाव को शहरी विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के माध्यम से शहरों मेंस्वच्छता व्यवस्था,पेयजल आपूर्ति,सड़क निर्माण,स्ट्रीट लाइट,नाली और कचरा प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े फैसले लिए जाते हैं। इन चुनावों के जरिए चुने जाने वाले जनप्रतिनिधि आने वाले वर्षों में शहरों की विकास दिशा तय करेंगे।

राजनीतिक सरगर्मी तेज

चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। उम्मीदवारों के चयन, रणनीति और जनसंपर्क अभियान को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। लंबे समय बाद हो रहे इन चुनावों को लेकर शहरी मतदाताओं में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शिबू सोरेन को पद्मभूषण सम्मान से झारखंड गौरवान्वितः सुबोधकांत

मेट्रो रेज

रांचीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। श्री सहाय ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य गठन, गरीबों,शोषितों और वंचित वर्ग के सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक उत्थान के लिए गुरुजी द्वारा किए गए रचनात्मक कार्य अतुलनीय व अविस्मरणीय हैं। श्री सहाय ने कहा कि झारखंड वासियों को केन्द्र सरकार से अपेक्षा थी कि अलग राज्य के गठन और सर्व समाज के प्रति दिशोम गुरु के समर्पण व उनके उल्लेखनीय योगदान के आधार पर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाता। इस संबंध में झारखंड विधानसभा के बीते सत्र के दौरान सर्वसम्मति से गुरु जी को भारत रत्न दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को प्रेषित किया गया था। श्री सहाय ने आशा जताई कि समाज,राज्य और देश के प्रति गुरुजी के संघर्षों को स्मरण करते हुए भारत सरकार इस दिशा में कदम उठाएगी।

राजद के प्रदेश कार्यालय में सत्यानंद भोक्ता ने फहराया झंडा

मेट्रो रेज

रांचीः आज देश हर्षोल्लास से अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में राजद के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने झंडा फहराया और तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर राजद के अनिता यादव,मनोज कुमार पाण्डेय, रंजन कुमार यादव, लक्ष्मण यादव, प्रणय कुमार बब्बू, डॉ मनोज कुमार, मनोज कुमार अग्रवाल, राम कुमार यादव, इमतियाज वारसी, इरफान अंसारी, मदन यादव, धर्मन्दर माहतो, सहित सैकड़ों प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारि गण मौजूद रहे। तिरंगा फहराने के बाद भोक्ता जी ने कहा कि गणतंत्र दिवस संकल्प का प्रतीक है, जो भारत को पंथ निरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करता है। मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि आज ही के दिन 1950 को जब भारत का संविधान लागू हुआ और हर भारतीय अपने भाग्य का निर्धारण करने का अधिकार पाया।

नामकुम बस्ती में रूना शुक्ला ने किया झंडोत्तोलन

निधि पाठक

रांची : नामकुम बस्ती में अधिवक्ता रूना शुक्ला द्वारा झंडोत्तोलन किया गया । इस अवसर पर वहां के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जो काफी आकर्षक । उसके बाद रूना शुक्ला द्वारा वहां सभी लोगों के बीच लड्डू बांटा गया और बच्चों के बीच शिक्षा समाग्री तथा बच्चों के नृत्य नाटक में उपयोग होने वाले साड़ी और जरूरी समानों का भी वितरण किया है। रूना शुक्ला द्वारा वहां उपस्थित सभी बच्चों को गणतंत्र दिवस का महत्व बतलाया गया। वहां उपस्थित लोगों को बच्चों से संबंधित कानून की जानकारी दी गई। साथ ही कुछ भी गलत होते हुए दिखे तो या कोई अपराध हो जाए इसकी जानकारी पुलिस को कैसे दी जाती है। पुलिस का सहयोग कैसे प्राप्त होता है इसको विस्तार पूर्वक बताया ।

निवर्तमान पार्षद साजदा खातून ने वार्ड 23 में किया झंडोत्तोलन

रांची : वार्ड क्रमांक 23 में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर निवर्तमान पार्षद साजदा खातून द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान पार्षद ने उपस्थित नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन हमें हमारे अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने क्षेत्र के विकास, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने का संदेश दिया।

ध्वजारोहण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवास पर हुआ झंडोत्तोलन

रांचीः पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवासीय कार्यालय ई-39/, सेक्टर तीन, धुर्वा (एचईसी आवासीय परिसर) में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर एचईसी के लोकप्रिय श्रमिक नेता दिलीप सिंह ने झंडोत्तोलन किया। अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि वर्षों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े हमारे देश को आजादी दिलाने में अनगिनत राष्ट्रभक्तों ने कुर्बानियां दी। उन महापुरूषों का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमें देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेना ही उन अमर शहीदों (स्वतंत्रता सेनानियों) के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कोतवाली डीएसपी हुए सम्मानित उपायुक्त के हाथों मिला सम्मान

विनय मिश्रा

रांचीः राजधानी रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय अपने बेहतर कार्य उत्कृष्ट उपलब्धि तथा पुलिस को निरंतर सफलता दिलाने और कामयाबी लिए पहचाने जाते हैं । उनकी बेहतर कार्य प्रणाली और उनके कर्तव्य निष्ठा को सम्मान मिला। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कोतवाली डीएसपी को सम्मानित करने के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और उनके कार्यों को बेहतर तथा उत्कृष्ट बताया। इस अवसर पर रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। वरीय पुलिस अधीक्षक ने भी कोतवाली डीएसपी के कार्यों की सराहना की और उनके कार्य प्रणाली को बेहतर बताया ।

गौरतलब हो कि कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय अपने उपलब्धि कामयाबी और पुलिस को सफलता दिलाने के लिए पूरे राज्य में पहचाने जाते हैं । हमें ऐसे डीएसपी पर निश्चित तौर पर गर्व है और उनकी कामयाबी पर पुलिस विभाग भी गौरवान्वित है।

बाल दीप फाउंडेशन ने बच्चों के साथ धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

राष्ट्रीय एकता व अखंडता बनाए रखने और संविधान के प्रति सम्मान का लिया संकल्प

मेट्रो रेज

रांचीः बाल दीप फाउंडेशन द्वारा 77 वें गणतंत्र दिवस का आयोजन बच्चों के साथ धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर बच्चों में देशभक्ति, संविधान के प्रति सम्मान एवं नागरिक कर्तव्यों की भावना विकसित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बनाए रखा। बाल दीप फाउंडेशन समाज के उन बच्चों के भविष्य को प्रज्वलित करने का कार्य कर रहा है, जिनका बचपन गरीबी और अभावों में बीत रहा है। ऐसे परिवार, जहां माता-पिता स्वयं दो जून की रोटी जुटाने के लिए संघर्षरत हैं, वहां शिक्षा अक्सर बच्चों की पहुंच से बाहर रह जाती है। बाल दीप फाउंडेशन ऐसे ही वंचित और जरूरतमंद बच्चों के जीवन में शिक्षा और आशा की नई रोशनी लेकर आया है।

इस सामाजिक एवं शैक्षिक अभियान की शुरूआत भारतीय सेना से सेवानिवृत्त ललन कुमार द्वारा की गई। वे पिछले नौ वर्षों से अपने निजी खर्च पर अपने आवास एचआई-67, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, रांची में वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनका उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के मूल्यों का विकास करना है।

फाउंडेशन के प्रयासों से पढ़ाई से दूर रहे बच्चे नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और अपने भविष्य को लेकर आशावान दिखाई दे रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम समाज को यह संदेश देता है कि शिक्षित और जागरूक बच्चे ही मजबूत गणतंत्र की आधारशिला होते हैं। बाल दीप फाउंडेशन की यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणादायक और अनुकरणीय उदाहरण बनती जा रही है।

राजधानी रांची में डीजे बन रहा मौत का कारण

ऊंची आवाज पर लगेगी लगाम, चुटिया में बैठक आज

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची में लगातार बढ़ते डीजे की ऊंची आवाज अब जानलेवा साबित होती जा रही है। शादी-विवाह, धार्मिक आयोजनों और जुलूसों में नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हुए तेज ध्वनि में बजाए जा रहे डीजे से न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है, बल्कि हृदय रोगियों, बुजुर्गों और बच्चों की सेहत पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। बीते दिनों तेज आवाज के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने और मौत तक की घटनाओं ने प्रशासन और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

इसी गंभीर समस्या को लेकर आज रांची के चुटिया थाना क्षेत्र में एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में स्थानीय प्रशासन, पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, डीजे संचालक, सामाजिक संगठन और स्थानीय नागरिक शामिल होंगे। इस दौरान ऊँची आवाज वाले डीजे को नियंत्रित करने, तय मानकों का सख्ती से पालन कराने और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

प्रशासन की ओर से बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों के अनुसार निर्धारित डेसीबल से अधिक आवाज में डीजे बजाना अपराध की श्रेणी में आता है। बावजूद इसके राजधानी में लगातार नियमों की अनदेखी हो रही है। बैठक में यह तय किया जाएगा कि किस प्रकार अनुमति प्रणाली को सख्त बनाया जाए, रात के समय डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगे और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना व कानूनी कार्रवाई की जाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज डीजे की वजह से पढ़ाई, मरीजों की देखभाल और सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि डीजे को लेकर ठोस और स्थायी समाधान निकाला जाए ताकि राजधानी को इस शोर के आतंक से मुक्ति मिल सके।

आज होने वाली बैठक के बाद प्रशासन की ओर से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाने की संभावना है। अब देखना होगा कि यह बैठक सिर्फ औपचारिकता बनती है या वास्तव में रांची को डीजे की जानलेवा आवाज से राहत दिलाने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया जाता है।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

रांचीः आरपीएफ रांची कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ द्वारा सतर्कता के साथ ड्यूटी की जा रही है। इसी क्रम में 26 जनवरी को ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ/पोस्ट/रांची एवं फ्लाइंग टीम/रांची द्वारा रांची रेलवे स्टेशन एवं उसके आसपास के परिसरों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर एक व्यक्ति को ग्रे रंग के ट्रॉली बैग में भारी सामान लेकर संदिग्ध अवस्था में देखा गया। पूछताछ एवं जांच पर उसकी पहचान बडावथ रवि, उम्र 30 वर्ष, पिताझ पांडु, निवासी-अदाविकेश्वापुर, पोस्ट व थाना-जंगांव, जिला- वारंगल, आंध्र प्रदेश के रूप में हुई। उसके बैग की तलाशी लेने पर कुल 15,900/- मूल्य की शराब बरामद की गई। पूछताछ के दौरान वह शराब ले जाने से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। तत्पश्चात सहायक उप निरीक्षक अनिल कुमार द्वारा उक्त शराब को मौके पर ही विधिवत जब्त किया गया। उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार कर जब्त सामग्री सहित गिरफ्तार व्यक्ति को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु आज उत्पाद विभाग, रांची को सुपुर्द किया।

सूक्ति

वसंत अपने आप नहीं आता, उसे लाना पड़ता है। सहज आने वाला तो पतझड़ होता है, वसंत नही : हरिशंकर परसाई

डॉ. मिश्र को नहीं भूलेगा बिहार

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और चर्चित राजनेता डॉ. जगन्नाथ मिश्र अब दिवंगत हैं। वह तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री हुए, कुछ समय के लिए केंद्र में मंत्री हुए और विभिन्न तरीकों से बिहार की राजनीति को लम्बे समय तक प्रभावित किया। उन्होंने बिहार में एक नई राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया, जिसे कुछ लोगों ने पसंद किया, कुछ ने नापसंद। लेकिन इन सब के बावजूद यह खरा सच है कि लगभग डेढ़ दशक तक बिहार की राजनीति के वह केंद्रीय व्यक्ति बने रहे। मिश्र जी की राजनैतिक पृष्ठभूमि को समझने के लिए 1970 के कांग्रेस को समझना होगा। बिहार में कांग्रेस ने 1971 में एक नया मोड़ लिया था। इंदिरा गांधी का जमाना था। वह अपनी ही पार्टी के दक्षिणपंथी धड़े से जूझ रही थीं। पीएन हक्सर उनके सलाहकार थे। बिहार मामलों को जगन्नाथ मिश्र के बड़े भाई ललित नारायण मिश्र देख रहे थे। एलएन मिश्र ने बिहार कांग्रेस को एक नई जमीन दी। बिहार के जातिवादी समाज को उन्होंने उलट-पुलट कर इंदिरा कांग्रेस के लिए एक रास्ता बनाया। बिहार कांग्रेस ऊंची कही जाने वाली जातियों का जमावड़ा हो गया था। 1960 के दशक तक बिहार कांग्रेस भूमिहारों, राजपूतों और कायस्थों के सामाजिक स्वार्थों को साधने वाला एक मंच भर था। ब्राह्मण इस संवर्ग में नहीं थे। वे तीनों से पीछे थे। पिछड़े तबकों का तो कोई अता-पता ही नहीं था। अधिक से अधिक डिप्टी मिनिस्टर होने की उनकी कुव्वत होती थी। कांग्रेस की इसी कमजोरी का लाभ लेने के लिए लोहिया ने अपनी समाजवादी पार्टी के एजेंडे में ''पिछड़ा पावें, सौ में साठ' का नारा रखा। उन्हें 1967 में सफलता भी मिली। इंदिरा कांग्रेस ने 1971 के लोक सभा चुनाव तक गैर ब्राह्मण ऊंची जातियों के नेताओं को बाहर कर दिया। महेश प्रसाद सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह और केबी सहाय अब इंदिरा कांग्रेस से बाहर थे। कांग्रेस ने कम्युनिस्टों, पिछड़े तबकों के एक हिस्से, ब्राह्मणों, दलितों और मुसलमानों का एक मोर्चा बनाया। इस मोर्चे को ''भीषण' चुनावी सफलता मिली। बिहार में विपक्ष के दिग्गज मधु लिमये आदि बुरी तरह पराजित हुए। 1972 के विधानसभा चुनाव में भी यही स्थिति रही। कांग्रेस के केदार पांडेय मुख्यमंत्री हुए। साल भर बाद अब्दुल गफूर का आना हुआ। सामाजिक रूप से जेपी आंदोलन का चरित्र वही था, जिसे जगन्नाथ मिश्र ने अपनाया था। आपातकाल के कुछ पहले अब्दुल गफूर की जगह डॉ. जगन्नाथ मिश्र को मुख्यमंत्री बनाया गया था। 1975 के फरवरी में एलएन मिश्र की हत्या हो गई थी। इसी के बाद जगन्नाथ मिश्र मुख्यमंत्री हुए। आपातकाल के विषम काल में जब पूरा विपक्ष जेल में था, वह निष्कंटक राज कर रहे थे। उनकी राजनैतिक क्षमता का कोई इम्तिहान नहीं हुआ। 1977 में कांग्रेस बुरी तरह हार गई। कर्पूरी ठाकुर मुख्यमंत्री हुए। वह समाजवादी थे। पहले ही वर्ष में पिछड़ों के लिए मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों को लागू कर ठाकुर ने एकबारगी द्विज-मिजाज की ताकतों को चुनौती दे डाली। जनता पार्टी एक पंचगामी राजनीतिक मोर्चा था, जिसमें जनसंघ, दक्षिणपंथी कांग्रेस, समाजवादी सब थे। जगन्नाथ मिश्र इंदिरा कांग्रेस के नेता और सर्वेसर्वा थे। यही समय था जब उन्होंने अपनी राजनैतिक क्षमता का परिचय दिया। जनसंघ और दक्षिणपंथी कांग्रेसी धड़े से समझौता कर उनने उस कर्पूरी ठाकुर की सरकार को गिरा दिया, जिससे द्विज ताकतें चिढ़ी हुई थीं। इसी द्विज तबके ने राजनैतिक कायापलट में मुख्य हिस्सेदारी की थी। यह तबका अब कांग्रेस की तरफ था। मगर एक विचित्र वैचारिक विरोधाभास था। कांग्रेसी जगन्नाथ मिश्र और जनसंघी कैलाशपति मिश्र एक हो गए।अगले दस वर्ष तक कांग्रेस सत्ता में रही। जगन्नाथ मिश्र की वैचारिकता उस पर हावी रही। इन दस वर्षो में किसी दलित, पिछड़े, मुसलमान को कांग्रेस ने कोई तरजीह नहीं दी। प्रतिक्रिया ऐसी हुई कि तब से अब तीस साल होने जा रहे हैं, पिछड़ी राजनीति का ही बोलबाला है। इसके वास्तविक जनक डॉ. जगन्नाथ मिश्र हैं। यह एक विचित्र स्थिति है कि इस दिग्गज राजनेता को राजनैतिक रूप से नीतीश कुमार के साथ और चारा-स्कैम मामले में लालू प्रसाद के साथ जुड़ने की नौबत आई। डॉ. जगन्नाथ मिश्र ही वह नेता हैं, जिन्होंने अति पिछड़ी जातियों के राजनैतिक महत्त्व को पहली दफा समझा। आपातकाल में डॉ. मिश्र ने 20 सूत्री कमेटियों मे सभी जिलों में तीन प्रतिनिधि ओबीसी के मनोनीत किए। इससे इस तबके में, एक जागृति आई। आज यह मुद्दा भारतीय राजनीति का केंद्रीय बिंदु बन गया है। कांग्रेस को यह भी पता नहीं कि यह उसका काम है। डॉ. साहब आज नहीं हैं। बिहार की राजनीति में उनके प्रभाव को कई स्तरों और रूपों में देखा जा सकता है और देखा जाएगा।

अभियोजन पूर्व स्वीकृति की संवैधानिकता पर सवाल

‘आज भारत में भ्रष्टाचार व्यक्तिगत नैतिक पतन से आगे बढ़कर संस्थागत यथार्थ बन चुका है। जब अलग–अलग संस्थानों में, अलग–अलग पदों पर बैठे लोग एक जैसी प्रक्रियात्मक ढाल के सहारे बच निकलते हैं, तब स्पष्ट हो जाता है कि समस्या व्यक्ति की नहीं, बल्कि व्यवस्था की है।’

गजेंद्र सिंह

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए की संवैधानिकता पर दिए गए अपने फैसले में गंभीर, पर असहज सच्चाई की ओर संकेत किया है। यद्यपि पीठ के दोनों न्यायाधीश इस धारा की वैधता पर एकमत नहीं थे, लेकिन इस बात पर स्पष्ट सहमति उभरी कि भ्रष्टाचार के मामलों में जांच से पहले सरकार से अनुमति लेने की व्यवस्था न्यायसंगत नहीं है। न्यायमूर्ति बीवी. नागरत्ना ने इसे भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने वाला, जांच को बाधित करने वाला और अधिनियम के मूल उद्देश्य के प्रतिकूल बताया। यह फैसला केवल कानूनी व्याख्या नहीं है, बल्कि भारत में बढ़ते संस्थागत भ्रष्टाचार की समस्या पर एक गंभीर चेतावनी भी है। आज भारत में भ्रष्टाचार व्यक्तिगत नैतिक पतन से आगे बढ़कर एक संस्थागत यथार्थ बन चुका है। यह व्यवस्था के भीतर व्यवस्थित रूप से संरक्षित होता है और कई बार कानून व प्रक्रिया की वैधता के आवरण में छिपा रहता है।

हाल की घटनाएं दिखाती हैं कि जांच एजेंसियां, कानूनी प्रक्रियाएं और यहां तक कि संवैधानिक संस्थान भी अनेक अवसरों पर जवाबदेही तय करने के बजाय संरक्षण के उपकरण बन जाते हैं। भ्रष्टाचार को अक्सर हम किसी एक अधिकारी, नेता या राजनीतिक दल की नैतिक कमजोरी मानकर आगे बढ़ जाते हैं लेकिन जब अलग-अलग संस्थानों में, अलग-अलग पदों पर बैठे लोग एक जैसे बहानों, चुप्पी और प्रक्रियात्मक ढाल के सहारे बच निकलते हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या व्यक्ति की नहीं, बल्कि व्यवस्था की है। राजस्थान में 2 करोड़ रुपए की रिश्वत मांग के आरोप में गिरफ्तार आरपीएस अधिकारी दिव्या मित्तल का मामला संस्थागत भ्रष्टाचार की प्रकृति को उजागर करता है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अभियोजन की अनुमति न देकर सरकार ने जांच को जिस तरह रोका, वह महज प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार-निरोधक तंत्र की विश्वसनीयता पर सीधा प्रश्न है। जो प्रावधान 'ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा' के नाम पर लाया गया था, वही व्यवहार में जांच से बचाव की ढाल बनता दिखा। आरोपी की ओर से वॉइस सेम्पल देने से इनकार और उसके बावजूद कार्रवाई का ठहर जाना इस संदेह को और गहरा करता है- यदि मामला झूठा था तो क्या एसीबी की जवाबदेही तय होगी और यदि नहीं, तो अभियोजन क्यों रोका गया? यही अनुत्तरित प्रश्न संस्थागत भ्रष्टाचार की असली पहचान है। अभियोजन स्वीकृति की अवधारणा की जड़ें औपनिवेशिक शासन में हैं। ब्रिटिशकाल में लोक सेवकों को राजसत्ता का प्रतिनिधि माना जाता था और यह आशंका थी कि यदि हर प्रशासनिक निर्णय पर आपराधिक मुकदमे होंगे, तो शासन ठप हो जाएगा। इसी सोच के तहत दंड प्रक्रिया संहिता में यह प्रावधान जोड़ा गया कि 'सरकारी कर्तव्य' के निर्वहन में किए गए कार्यों के लिए किसी लोक सेवक के विरुद्ध अभियोजन से पहले सरकारी अनुमति आवश्यक होगी। स्वतंत्रता के बाद भी इसे ईमानदार अधिकारियों को राजनीतिक प्रतिशोध और झूठे मुकदमों से बचाने के उद्देश्य से बनाए रखा गया, लेकिन समय के साथ यह अपवाद नियम बन गया। धारा 17ए के तहत जांच शुरू करने से पहले ही सरकारी स्वीकृति की अनिवार्यता ने साक्ष्य-संग्रह और जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया को कमजोर किया है। परिणामस्वरूप कानून की समानता क्षीण होती गई और भ्रष्टाचार व्यक्तिगत अपराध से आगे बढ़कर संस्थागत समस्या का रूप लेने लगा। विधायकों और सांसदों के मामलों में भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 19 और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 मिलकर अभियोजन को राजनीतिक सहमति पर निर्भर बना देती हैं। यद्यपि धारा 17ए सीधे उन पर लागू नहीं होती, फिर भी ये प्रावधान मिलकर एक ऐसा सुरक्षात्मक कवच बना देते हैं, जिसके चलते अभियोजन राजनीतिक सहमति या असहमति पर निर्भर हो जाता है। न्यायपालिका के संदर्भ में यह संरक्षण और भी कठोर है। के. वीरस्वामी बनाम भारत संघ (1991) के अनुसार, किसी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध प्राथमिकी, जांच या अभियोजन से पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति आवश्यक है। यह कोई विधायी प्रावधान नहीं, बल्कि न्यायपालिकाकी ओर से विकसित नियम है, जो व्यवहार में धारा १७ए से भी अधिक मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। इस प्रकार जो संरक्षण ईमानदार अधिकारियों की रक्षा के लिए बनाया गया था, वह कई मामलों में भ्रष्ट आचरण की जांच और जवाबदेही को टालने का साधन बन गया है। लोकतंत्र में वास्तविक समानता तभी स्थापित हो सकती है जब कानून सभी के लिए एक-सा हो- चाहे वह अधिकारी हो, जनप्रतिनिधि हो या न्यायपालिका का सदस्य। इस संकट का समाधान भी उतना ही संस्थागत होना चाहिए। क्या अभियोजन स्वीकृति जैसी औपनिवेशिक प्रक्रियाओं की वर्तमान व्यवस्था में प्रासंगिकता है, जब दंड प्रक्रिया संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता ने ले ली है? जांच एजेंसियों को वास्तविक स्वायत्तता देनी होगी। न्यायपालिका के लिए पारदर्शी और समयबद्ध जवाबदेही तंत्र विकसित करना होगा और राजनीति में नैतिकता को केवल भाषणों तक सीमित न रखकर आचरण में उतारना होगा। आज सवाल यह नहीं है कि भ्रष्ट लोग क्यों हैं। असली सवाल यह है कि भ्रष्टाचार से लड़ने वाली संस्थाएं खुद क्यों थकती, झुकती या समझौता करती दिख रही हैं? जब तक इस प्रश्न का ईमानदार उत्तर नहीं मिलेगा, तब तक भ्रष्टाचार किसी एक चेहरे का नाम नहीं, बल्कि व्यवस्था का स्थायी चेहरा बना रहेगा। जब जांच, अभियोजन और जवाबदेही के मानक सभी के लिए समान होंगे, तभी नागरिकों का भरोसा लौटेगा।

जो हुआ वह होना ही था

‘यूरोपीय संघ के दूसरे सदस्यों ने भी भारत के खिलाफ नहीं जाने का संकेत दिया। संयुक्त राष्ट्र भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहा था। स्वयं इमरान खान का डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने के बावजूद अमेरिका रुचि लेने को तैयार न हुआ। अंततः पाकिस्तान की इज्जत बचाने के लिए वह अनौपचारिक बैठक पर राजी हो गया। तो कुल मिलाकर यह है इस बैठक की पृष्ठभूमि, चरित्र, सदस्य देशों का रुख एवं परिणति। हालांकि बैठक के बाद संयुक्त राष्ट्र में चीन के दूत जियांग जून ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने जम्मू–कश्मीर के मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई। इसके आगे किसी ने क्या कुछ कहा, इसकी जानकारी वे न दे सके। कोई सदस्य कुछ बोला होता तो चीन अवश्य इसे सामने रखता क्योंकि बैठक का सूत्रधार वही था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरु द्दीन ने मीडिया के साथ बातचीत में भारत का पक्ष रखा। साबित किया कि पाकिस्तान को किस तरह मुंह की खानी पड़ी है।’

पाकिस्तान कह रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर मसले पर चर्चा उसकी कूटनीतिक विजय है। वस्तुतः यह खबर जैसे ही आई कि सुरक्षा परिषद जम्मू-कश्मीर पर अनौपचारिक चर्चा के लिए तैयार हो गई है, तो पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बता दिया। उनका कहना था कि सुरक्षा परिषद कश्मीर मुद्दे पर 40 साल बाद चर्चा करने को राजी हुआ है। इसके पहले कश्मीर पर अनौपचारिक चर्चा 1971 में हुई थी। प्रश्न है कि इससे हुआ क्या? क्या भारत की स्थिति में कोई बदलाव आ गया? क्या किसी देश ने बैठक के बाद कहा कि भारत ने जम्मू-कश्मीर में बदलाव करके गलत किया है? क्या सुरक्षा परिषद ने कोई बयान दिया? भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा उसे केंद्र-शासित प्रदेश में बदलने का जो निर्णय किया है, वह यथावत है और रहेगा। प्रधानमंत्री इमरान खान को अपने देश में जम्मू-कश्मीर को लेकर भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इस घटनाक्रम को अपने अनुकूल प्रचारित करने से उन्हें थोड़ी राहत मिली है अन्यथा व्यवहार में तो पाकिस्तान ने मात खाई है। पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद का आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की थी। चीन ने उसका साथ दिया। चीन सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है जिसकी मांग का असर होना है। किंतु परिषद के अध्यक्ष पोलैंड के जोना रॉनेका ने बंद कमरे की अनौपचारिक मत्रंणा की स्वीकृति दी। पाकिस्तान ने अर्जी दी कि मामला उससे जुड़ा है, इसलिए उसके प्रतिनिधि को बात रखने की इजाजत दी जाए और चीन ने इसका समर्थन किया। यह भी स्वीकार नहीं किया गया। इसके लिए उसे 15 सदस्य देशों में से नौ सदस्यों का समर्थन चाहिए था। चीन के अलावा कोई अन्य देश उसके साथ नहीं आया।चीन ने सलाह दी थी कि बैठक के बाद घटनाक्रम के बारे में अनौपचारिक घोषणा परिषद के अध्यक्ष जोएना रोनिका करें। चीन को किसी दूसरे देश का समर्थन नहीं मिला। इसलिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री का दावा हास्यापद है कि हमें कश्मीर मामले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने में सफलता मिल गई। वस्तुतः भारत की शांत कूटनीति चीन-पाक चाल को विफल करने में सक्रिय थी। भारत वहां समझाने में सफल रहा कि जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक बदलाव उसका आंतरिक मामला है, जिसका अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कोई सरोकार नहीं है। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन वहां आतंकवाद फैलाते हैं, जिसे देखते हुए सुरक्षा सख्त है लेकिन धीरे-धीरे ढील दी जा रही है। भारत की छवि विश्व में जिम्मेवार और संयत राष्ट्र की है। परिषद के ज्यादातर सदस्य देशों से हमारे गहरे संबंध हैं। इसका असर हुआ। चीन ने भले मानवाधिकारों की बात क ही जिसे अन्य देशों ने नकार दिया। वैसे भारत की कूटनीति सक्रिय थी लेकिन बैठक को हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने महत्त्व नहीं दिया। कारण यह है कि हाल के वर्षो में अनौपचारिक चर्चा बार-बार होने लगी है। सुरक्षा परिषद के सदस्य बंद कमरे में बातचीत करते हैं, और इनकी जानकारी बाहर नहीं आती। न मीडिया को प्रवेश मिलता है, न रिकॉर्ड रखा जाता है। वैसे भी सुरक्षा परिषद का एक स्थायी सदस्य रूस खुलकर भारत के साथ आ गया था। उसने बयान दिया था कि हमारा मत है कि भारत ने अपनी संविधानिक प्रक्रियाओं के तहत फैसला किया है। इस पर द्विपक्षीय बातचीत तो होगी लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के हस्तक्षेप की इसमें कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने रूस के विदेश मंत्री से 14 अगस्त को संपर्क किया था। इस पर आधिकारिक बयान में रूस ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच मतभेद सुलझाने का विकल्प नहीं है, सिवाय द्विपक्षीय बातचीत के। फ्रांस ने ऐसी घोषणा तो नहीं की लेकिन साफ हो गया था कि वह भारत का साथ देगा। यूरोपीय संघ के दूसरे सदस्यों ने भी भारत के खिलाफ नहीं जाने का संकेत दिया। संयुक्त राष्ट्र भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहा था। स्वयं इमरान खान का डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने के बावजूद अमेरिका रुचि लेने को तैयार न हुआ। अंततः पाकिस्तान की इज्जत बचाने के लिए वह अनौपचारिक बैठक पर राजी हो गया। तो कुल मिलाकर यह है इस बैठक की पृष्ठभूमि, चरित्र, सदस्य देशों का रुख एवं परिणति। हालांकि बैठक के बाद संयुक्त राष्ट्र में चीन के दूत जियांग जून ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई। इसके आगे किसी ने क्या कुछ कहा, इसकी जानकारी वे न दे सके। कोई सदस्य कुछ बोला होता तो चीन अवश्य इसे सामने रखता क्योंकि बैठक का सूत्रधार वही था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरु द्दीन ने मीडिया के साथ बातचीत में भारत का पक्ष रखा। साबित किया कि पाकिस्तान को किस तरह मुंह की खानी पड़ी है। हालांकि उनका स्वर कुछ सफाई देने जैसा था। मसलन, जम्मू-कश्मीर के हालात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर। भारत ने जब ऐतिहासिक और साहसी फैसला किया है, तो बयानों से भी यह संदेश निकलना चाहिए कि उसे सफल बनाने के लिए वह दृढ़ता और संकल्प के साथ लगा है। यह हमारा सुरक्षा आकलन होगा कि हमें कब स्थिति के सामान्य होने की घोषणा करनी है। अकबरु द्दीन ने कहा भी कि एक देश जेहाद का इस्तेमाल कर रहा है, हिंसा भड़काई जा रही है। बहरहाल, इस घटनाक्रम का दूसरे नजरिए से भी विश्लेषण करना होगा। शाह महमूद कुरैशी चीन से गुहार लगाई थी। तब चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों तथा चार्टर के अनुसार इसका निदान हो। भारत को शंका थी कि चीन कुछ करेगा। पाक अधिकृत कश्मीर के साथ उसका हित जुड़ा है। वह चीन-पाक आर्थिक गलियारा के तहत भारी निवेश कर रहा है। लद्दाख की सीमा को विवादित मानता है। उसकी पूरी रणनीति सीमा विवाद बनाए रखने पर है। चीन को भान है कि यह बदला हुआ भारत है जो यहीं नहीं रुकेगा। आगे पाक अधिकृत कश्मीर को भी पाने का कदम उठाएगा। इसलिए उसके विरुद्ध पाकिस्तान के साथ मिलकर घेरेबंदी करनी होगी। तात्पर्य यह कि चीन आगे भी भारत के सामने समस्याएं पेश करेगा।

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है।

जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्प है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है।

सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता।

बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

आपके पत्र

प्रकृति से खिलवाड़ उचित नहीं

दक्षिण भारत के बाद एक बार फिर उत्तर भारत में भारी बाशि, बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही जारी है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 22 लोगों की मरने की खबर है। उत्तराखंड में भी हालात बेहद भयावह हैं। बिहार, असम, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु आदि राज्यों में सैकड़ों लोग बाढ़ की भेंट चढ़ चुके हैं। खास बात यह है कि बाढ़ अब प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। अब यह मानवीय हो चुकी है। मनुष्यों ने जिस तरह से अंधाधुंध निर्माण कार्य को अंजाम दिया है, उससे यह दिन एक-न-एक-दिन आना ही था। अब भी वक्त है। अगर लोग अपने लालच को, धन कमाने की भूख को शांत नहीं करेंगे तो आने वाला समय और ज्यादा डरावना होगा। प्रकृति से खिलवाड़ हर किसी को महंगा पड़ेगा।

ज्योत्सना वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

ब्लू बेल इंग्लिश मीडियम स्कूल में वरीय पत्रकार बिनय मिश्रा ने किया झंडोत्तोलन

संवाददाता : शिक्षा के क्षेत्र में अपनी दमदार पहचान रखने वाला एवं बच्चों के बीच अनुशासन और कुशल शिक्षकों के द्वारा बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कटिबद्ध रहने वाले ब्लू बेल इंग्लिश मीडियम स्कूल में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने झंडोत्तोलन किया और गणतंत्र दिवस के बारे में बच्चों को जानकारी दी।इस अवसर पर बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के पोशाक लोगों के द्वारा काफी सराहे गए और बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप विद्यालय की प्राचार्या शेफाली दत्ता,मिस सुषमा,मिस कांति ,मिस सुमन,राधा देवी और अमन सर भी उपस्थित थे।

जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर विकास कुमार मिश्रा ने किया झंडोत्तोलन

संवाददाता : गणतंत्र दिवस के 77 वें अवसर पर जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज परिसर में प्राचार्य प्रोफेसर विकास कुमार मिश्रा में झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज के विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस के बारे में विस्तार पूर्वक बताया कि संविधान 26 जनवरी को लागू होने के कारण 26 जनवरी ऐतिहासिक और गौरव पूर्ण दिन के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जगन्नाथपुर डिग्री कॉलेज के प्राध्यापक और कॉलेज परिवार के सदस्य गण भी मुख्य रूप से उपस्थित थे तथा विद्यार्थियों की सहभागिता भी काफी सराहनीय रही।

मुजफ्फरपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया झंडोत्तोलन

ज्योति पाठक : 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुजफ्फरपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की अजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले देशभक्तों को याद किया और भारत के संविधान के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

भगत सिंह चौक पर पूर्व वार्ड पार्षद राजू कसेरा ने किया झंडोत्तोलन

चक्रधरपुर : शहीद भगत सिंह चौक पर 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व वार्ड पार्षद राजू प्रसाद कसेरा ने झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी । इस अवसर पर श्री कसेरा ने कहा कि - आज का दिन ऐतिहासिक और गौरव पूर्ण है आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, भाजपा के वरीय नेता ललित मोहन गिलुवा,भाजपा के वरीय नेता संजय पासवान , त्रिभुवन शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य और अन्य लोग उपस्थित थे।

चक्रधरपुर नगर परिषद के प्रशासक ने किया झंडोत्तोलन

संवाददाता : चक्रधरपुर नगर परिषद के प्रशासक विजय कुमार हांसदा ने 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम महाराजा अर्जुन सिंह पार्क में झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी तत्पश्चात नगर परिषद कार्यालय भवन में झंडोत्तोलन किया इस अवसर पर प्रशासक श्री हांसदा ने भारत के गणतंत्र दिवस के बारे में प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि - आज का दिन ऐतिहासिक और गौरव पूर्ण है आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ।इस अवसर पर काफी संख्या में गणमान्य और नगर परिषद परिवार के लोग उपस्थित थे।

दो नाबालिग आदिवासी लड़कियों का गैंगरेप

गिरिडीह : गिरिडीह में दो नाबालिग आदिवासी लड़कियों से कथिततौर पर गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक यह मामला पीरटांड पुलिस थाना क्षेत्र के हरलाडीह इलाका का है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी गई है।

उप राजधानी में शान से लहराया तिरंगा, लोगों ने दी सलामी

संवाददाता

दुमका : गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका के तरफ से मुख्य अतिथि क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक संथाल परगना प्रमंडल डॉ0 दुर्गा नन्द झा ने यज्ञ मैदान में राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जबकि भारत स्काउट एवं गाइड ध्वज को विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी सह भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला आयुक्त भूतनाथ रजवार ने फहराया। राष्ट्रीय धज को फहराने के बाद उपस्थित स्काउट गाइड को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 दुर्गा नन्द झा ने कहा कि आज का दिन सभी देशवासियों के लिए गौरव का दिन है।डॉ0 झा ने कहा कि हमसभी सौभाग्यशाली हैं कि हम विश्व के सबसे सुदृढ़ एवं बड़े गणतंत्र के नागरिक हैं। डॉ0 झा ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स का राष्ट्र प्रेम का जुनून काबिले तारीफ है। कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का यूनिट होनी चाहिए।विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने कहा कि अपने वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर सैनिकों के मेहनत एवं सहादत के बदौलत हमसभी एक स्वतंत्र गणतंत्र के नागरिक हैं। श्री रजवार ने कहा कि आज सभी राष्ट्रभक्तो को नमन करने एवं राष्ट्र को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद स्काउट एवं गाइड द्वारा आकर्षक देशभक्ति गीत पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का संचालन वरीय उपसभापति दिवाकर महतो एवं जिला सचिव विजय कुमार दूबे एवं धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष मानुवेल सोरेन द्वारा की गई।मौके पर उपस्थित सम्मानित अतिथि झारखण्ड शिक्षा परियोजना दुमका के सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला जेंडर समन्वयक डॉली कुमारी,उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, पूर्व प्राचार्य सह जैक सदस्य अजय कुमार गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस, प्रभारी प्राचार्या सुनीता टुडू,पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा, पूर्व वार्ड पार्षद दीपक स्वर्णकार,समाज सेवी मनोज कुमार अग्रवाल,प्रेम कुमार बजाज, राजीव मेहरिया, कृष्ण कांति गण,चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज कुमार घोष, लायंस क्लब के सदस्य रमण वर्मा, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक कार्यालय के वरीय लिपिक मनीष कुमार गुप्ता,डीईओ ऑफिस के लिपिक संजीव कुमार, जिला सचिव विजय कुमार दूबे,कोषाध्यक्ष मानुवेल सोरेन, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भूनाथ मिश्रा, स्काउट मास्टर संजीत कुमार चौधरी, एनसीसी पदाधिकारी निवास रजक, गाइड कैप्टन कुमारी अलका, सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन,शिक्षक समरजीत राय, , शिक्षिका अर्चना कुमारी, कृश्णा कुमारी, विद्यासुन्द नन्दी, दिलीप कुमार, डॉली सुमन,ज्योति किस्कू, राजेश कुमार साह,सुनीता मुर्मू, ज्योत्स्ना किस्कू, प्रोमिला हांसदा,वन्दे कुमारी,मनोज कुमार गुप्ता, सीनियर गाइड अनुप्रिया मराण्डी,सीनियर स्काउट हरिमोहन,गणेश पाल,अनुराग कुमार साह, एवं विशाल चौरसिया के अलावे कई गणमान्य अतिथियों एवं लगभग पाँच सौ स्काउट एवं गाइड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।इस अवसर पर परेड कमांडर अपरेश कुमार के नेतृत्व में स्काउट गाइड द्वारा पैरेड का आयोजन कर राष्ट्रीय ध्वज को राष्ट्रीय सलामी दी गई।

धनबाद में पुलिस कंट्रोल रूम का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

धनबाद : पुलिस विभाग के कंट्रोल रूम को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने 33 कंप्यूटर सेट से लैस नए कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। अब जिले की पुलिस गतिविधि और संचार व्यवस्था का संचालन इसी कंट्रोल रूम से किया जाएगा।

धनबाद की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से 350 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों की निगरानी कंट्रोल रूम से की जाएगी, जिससे अपराध और आपात स्थितियों पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। अपग्रेड किए गए कंट्रोल रूम में टेली कॉल सेंटर के रूप में भी कार्य होगा। सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचना भेजी जाएगी। इसके साथ ही पुलिस की सिटी हॉक बाइक टीम और पेट्रोलिंग दल भी कंट्रोल रूम से सीधे जुड़े रहेंगे।

वहीं एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि 21वीं सदी में पुलिसिंग कैसी होनी चाहिए? जिसे तैयार करने की कोशिश की जा रही है। टू वे कम्युनिकेशन सिस्टम पर कार्य चल रहा है और जल्द ही यह सुविधा उपलब्ध होगी। 350 सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसका फीड कंट्रोल रूम तक पहुंचेगा। टेली कॉलर्स यहां बैठे रहेंगे। कंट्रोल रूम से ही सीधा संवाद कर सहायता की जाएगी। फिलहाल 112 नंबर पर कॉल कर लोग जानकारी देते हैं लेकिन अन्य तरह की सुविधाएं बहाल करने की कोशिश की जा रही है ताकि पुलिस फौरन आपात स्थिति में लोगों की मदद कर सके।

करणी सेना ने किया यूजीसी के रेगुलेशन का विरोध

पीएम से वापस लेने की मांग पर डीसी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

जमशेदपुर : क्षत्रिय करणी सेना ने यूजीसी रेगुलेशन 2026 को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने इस मामले में मंगलवार को प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त को डीसी ऑफिस में सौंपकर इसे अविलंब वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के बाद करनी सेना के प्रदेश सचिव कमलेश सिंह ने डीसी ऑफिसर परिसर में मीडिया को दिये बयान में कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में इक्विटी कमेटियों के गठन से संबंधित नई अधिसूचना संविधान की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि उक्त अधिसूचना के तहत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में 90 दिनों के भीतर इक्विटी कमेटियों के गठन का प्रावधान किया गया है, जिन्हें छात्रों से जुड़ी शिकायतों की जांच का अधिकार दिया गया है।

लेकिन करणी सेना का मानना है कि यह व्यवस्था संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकारों का उल्लंघन करता है।कमलेश सिंह ने कहा कि भारत का संविधान अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है, जबकि यह अधिसूचना केवल एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्रों के अधिकारों पर केंद्रित है और सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों को नजरअंदाज करती है।उन्होंने आरोप लगाया कि यह अधिसूचना समान अवसर के सिद्धांत को कमजोर करती है और संविधान की मूल संरचना के विपरीत है। किसी भी नीति का उद्देश्य सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि किसी एक वर्ग के पक्ष में असंतुलन पैदा करना।करणी सेना ने केंद्र सरकार और यूजीसी से मांग की है कि रेगुलेशन-2026 को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए व्यापक विचार-विमर्श के बाद संतुलित और संविधानसम्मत नीति बनाई जाए।

गूंज महोत्सव में कौन बनेगा लखपति कार्यक्रम आयोजित

चाकुलिया: चाकुलिया के डाक बंगला परिसर में नेताजी सुभाष वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित नौ दिवसीय 21 वें नेताजी सुभाष मेला सह गूंज महोत्सव के चौथे दिन विगत सोमवार की देर शाम को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुबह नौ बजे विधायक समीर कुमार मोहंती ने ध्वजारोहण किया। शाम को कौन बनेगा करोड़पति के तर्ज पर कौन बनेगा लखपति कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र और विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीपीओ अजित कुजूर उपस्थित हुए।

14 दिनों बाद सकुशल घर लौटे कैरव गांधी से मिले सांसद

जमशेदपुरः एसिया के उपाध्यक्ष देवांग गांधी के पुत्र कैरव गांधी के सकुशल घर लौटने की सूचना पाकर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो सर्किट हाउस स्थित घर जाकर मुलाकात की। सांसद ने कहा परिवार में खुशी का माहौल है कि बेटा लौट आया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता के कारण कैरव गांधी सकुशल घर लौटा है। मालूम हो कि 14 दिनों बाद मंगलवार को सुबह परिजन बरही से पुलिस के साथ कैरव गांधी को लेकर घर लौटे। इसके बाद से जमशेदपुर के जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों का देवांग गांधी के घर आना जाना शुरू हो गया।

समाहरणालय सभागार में नियुक्ति- पत्र वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दुमका : समाहरणालय सभागार में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सोमवार को स्थानीय झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक बसंत सोरेन, जामा विधानसभा क्षेत्र की झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक लुईस मरांडी तथा जिला परिषद् अध्यक्षा जॉयस बेसरा की गरिमामयी उपस्थिति में नवनियुक्त चौकीदारों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक श्री सोरेन ने कहा कि यह नियुक्ति पत्र चयनित अभ्यर्थियों को उनकी कड़ी मेहनत और योग्यता के बल पर प्राप्त हुआ है। आज से आप सभी सरकार के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में कार्य करने जा रहे हैं। सरकार को आपसे निष्पक्षता, ईमानदारी एवं सेवा भावना के साथ कार्य करने की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि अब आप अपने-अपने पंचायत के अभिभावक की भूमिका में होंगे, जिनके माध्यम से गांव-गांव की समस्याएं सरकार तक पहुंचेंगी। आपके सहयोग से ही ग्राम पंचायतों का समग्र विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि सभी नवनियुक्त चौकीदारों को शीघ्र प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे अपने दायित्वों को बेहतर ढंग से समझ सकें और सरकार के कार्यों में प्रभावी सहयोग दे सकें। नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान कई चयनित अभ्यर्थियों के चेहरों पर खुशी की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक लुईस मरांडी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर दुमका जिले के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। आज कुल 293 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व की तुलना में अब चौकीदारों की भूमिका को और अधिक सशक्त किया गया है तथा उन्हें ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में भी सहयोगी के रूप में सम्मिलित किया गया है। उन्होंने नवनियुक्त चौकीदारों से अपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से कार्यशैली सीखने तथा ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

मौके पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सर्वप्रथम सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन सभी चयनित अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत विशेष है। राज्य सरकार ने आपको उसी पावन दिवस पर चुना है, जिस दिन पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में चौकीदारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि दुमका जिला अंतर्गत खुले विज्ञापन के माध्यम से अप्रैल 2025 में कुल 328 पदों पर चौकीदार नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। चौकीदार नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन अक्टूबर 2025 में किया गया, जिसके उपरांत शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं दौड़ परीक्षा नवंबर 2025 में संपन्न कराई गई। लिखित परीक्षा एवं शारीरिक परीक्षण में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच तथा चिकित्सा परीक्षण के पश्चात मेधा सूची तैयार की गई।

मेधा सूची के अनुसार कुल 293 अभ्यर्थियों को आज नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं, जिनमें 187 पुरुष एवं 106 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। वर्गवार चयन की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सामान्य कोटि से 80, अनुसूचित जनजाति से 193 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से 20 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित 13 पद वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया में रिक्त रह गए हैं, जिन्हें आगामी नियुक्ति प्रक्रिया में कैरी फॉरवर्ड किया जाएगा।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि लगभग 6000 अभ्यर्थियों ने इस नियुक्ति प्रक्रिया में आवेदन किया था। पूरी चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं तकनीक-संपन्न तरीके से संपन्न कराया गया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि चयनित अभ्यर्थियों में महिलाओं की संख्या उल्लेखनीय है। यह नियुक्ति प्रक्रिया मिशन मोड में पूरी की गई, जिसके परिणामस्वरूप कम समय में नियुक्ति पत्र वितरण संभव हो सका।

उन्होंने सभी नवनियुक्त चौकीदारों से सकारात्मक दृष्टिकोण, ईमानदारी एवं सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन की अपेक्षा की।

इस अवसर पर जिला परिषद् अध्यक्षा श्रीमती बेसरा ने भी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा उनसे निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी, सभी चयनित अभ्यर्थियों व अन्य उपस्थित थे।

सोहेल खान से तलाक के 4 साल बाद बोलीं सीमा सचदेह, खिट-पिट से अच्छा है अलग रहो

सलमान खान के छोटे भाई व एक्टर सोहेल खान और सीमा सचदेह ने साल 2022 में अपने रास्ते अलग कर लिए थे और तलाक की घोषणा कर हर किसी को चौंका दिया था। वहीं, अब तलाक के 4 साल बाद हाल ही में सीमा ने अपनी पर्सनल लाइफ और बच्चों को लेकर खुलकर बात की, जिसके बाद वह खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

हाल ही में ऊषा ककड़े प्रोडक्शन से बात करते हुए सोहेल की एक्स वाइफ सीमा ने बताया कि कैसे समय और बढ़ती उम्र के साथ दोनों के बीच डिफरेंसेस आने लगे थे। सीमा ने कहा- हम दोनों ने जब शादी की तो बहुत यंग थे। 22 साल के थे उस वक्त। जैसे-जैसे हम लोग बड़े हुए वैसे-वैसे अलग डायरेक्शन में जाने लगे। हम लोगों के विचार बदल गए। समय के साथ ये एहसास हुआ कि हम दोनों पति-पत्नी से अच्छे एक दोस्त हैं।

सीमा ने आगे कहा- 'हम लोगों ने अलग होने का फैसला सोच विचार कर लिया ना कि जल्द बाजी में। मेरे लिए घर की शांति ज्यादा जरूरी थी बजाय इसके कि हम लोग एक साथ बिना खुशी के रहें। रोज झगड़ा करने से अच्छा है कि अलग हो जाओ। हम लोग घर का माहौल खराब नहीं करना चाहते थे। खिट-पिट से अच्छा है कि अलग ही रहो। हम लोग अलग जरूर हुए हैं लेकिन, बतौर हसबैंड और वाइफ। हम लोग अभी भी परिवार हैं। वो मेरे बच्चों के पिता हैं ये ऐसा सच है जो कभी भी नहीं बदल सकता।'

आगे सीमा ने कहा कि शादी का टूटना वाकई काफी मुश्किल दौर था। कोई भी महिला ये नहीं चाहेगी कि उसका तलाक हो। मैं डिप्रेशन में चली गई थी और मेरे बच्चे भी। हम लोगों को कई साल लगे इस कनक्लूजन तक पहुंचने में।

बहिष्कार के दावे से मुकरा पाक, टी2 वर्ल्ड कप के लिए किया टीम का ऐलान

इस्लामाबाद: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टी-20 टीम का ऐलान कर दिया है। इस वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान के स्क्वॉड में सात बड़े बदलाव हुए हैं। बाबर आजम जैसे सीनियर खिलाड़ियों को स्क्वॉड में रखा गया है, वहीं मोहम्मद रिजवान और हारिस रऊफ जैसे खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। आजम खान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद रिजवान को इस बार पाकिस्तान के टी-20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 स्क्वॉड में सलमान आगा (कप्तान), फहीम अशरफ, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साहिबजादा फरहान और उस्मान तारिक को शामिल किया गया है।

आज रॉयल चैलेंजर्स के सामने मुंबई इंडियंस की बड़ी चुनौती, शाम 7:30 बजे से मुकाबला

एजेंसी/ वडोदरा: महिला प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच सोमवार को कोटांबी के वडोदरा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मुकाबला भारतीय समय अनुसार शाम 07:30 बजे से शुरू होगा। गौरतलब है कि डब्ल्यूपीएल 2026 के मौजूदा सीजन में पिछली बार जब इन दोनों टीमों की टक्कर हुई थी, तब रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने अपनी इनिंग की आखिरी गेंद पर 155 रन का लक्ष्य हासिल करके मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से धूल चटाई थी। अब ये देखना काफी दिलचस्प रहेगा कि आरसीबी की टीम एक बार फिर ये कारनामा कर पाती है या नहीं।

वहीं दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम आरसीबी को धूल चटाकर अपना हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 में वडोदरा क्रिकेट स्टेडियम में अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिसमें से दो रन डिफेंड और दो रन चेज करने वाली टीम ने जीते। यहां टी-20 में पहली इनिंग का औसत स्कोर 150 रन है।

अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों और कविताओं से प्रेरित हैं बैटल ऑफ गलवान का गाना मातृभूमि के बोल

सलमान खान की आने वाली वॉर ड्रामा फिल्म बैटल ऑफ गलवान का पहला गाना मातृभूमि रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों को छू रहा है। यह गीत न सिर्फ भावनाओं से भरा है, बल्कि इसके बोलों के पीछे एक गहरी और सशक्त वास्तविक प्रेरणा भी छिपी है।

अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों से मिली प्रेरणाः इस गीत के बोल पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के ऐतिहासिक भाषणों और उनकी अमर कविताओं से प्रेरित बताए जा रहे हैं। वाजपेयी जी के शब्दों में जो देशभक्ति, सादगी, आत्मीयता और काव्यात्मक शक्ति झलकती थी, वही भावना मातृभूमि में भी साफ महसूस की जा सकती है।

देश के प्रति प्रेम और गर्व की झलकः अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं और भाषणों में जिस मातृभूमि के प्रति प्रेम, अपनापन और गर्व की भावना दिखती है, वही आत्मा इस गीत में भी मौजूद है। मातृभूमि देश के लिए समर्पण और सम्मान को बेहद प्रभावशाली तरीके से दर्शाता है।

फिल्म की भावनात्मक आत्मा को दर्शाता पहला गानाः हाल ही में मेकर्स द्वारा रिलीज किया गया मातृभूमि , फिल्म बैटल ऑफ गलवान का पहला गाना है, जो पूरी फिल्म के भावनात्मक और देशभक्ति के स्वर को दर्शाता है। यह गीत फिल्म की कहानी की गंभीरता और उसके देशप्रेमी दृष्टिकोण की झलक देता है।

अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों और कविताओं से प्रेरित हैं बैटल ऑफ गलवान का गाना मातृभूमि के बोल

देशभक्ति से भरपूर मातृभूमि ने जीता दिल, बैटल ऑफ गलवान के गाने पर फैंस हुए इमोशनल

देशभक्ति से भरपूर मातृभूमि ने जीता दिल, बैटल ऑफ गलवान के गाने पर फैंस हुए इमोशनल

बैटल ऑफ गलवान के गाने मातृभूमि टीजर को देख फैंस हुए इमोशनल, दिया जबरदस्त रिएक्शन बैटल ऑफ गलवान के गाने मातृभूमि टीजर को देख फैंस हुए इमोशनल, दिया जबरदस्त रिएक्शन

म्यूज़िक और आवाज में दमदार टीमः इस देशभक्ति गीत को हिमेश रेशमिया ने संगीतबद्ध किया है, जबकि इसके बोल समीर अंजान ने लिखे हैं। गाने को अपनी आवाज दी है अरिजीत सिंह और श्रेयाघोषाल ने, जिन्होंने गीत की भावना को और भी गहराई दी है।

सलमान खान फिल्म्स की भव्य प्रस्तुतिः बैटल ऑफ गलवान का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले किया गया है और इसका निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। फिल्म का संगीत सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल के तहत रिलीज हुआ है, जबकि सोनी म्यूज़िक इंडिया इसका आधिकारिक म्यूज़िक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है।

सलमान खान-चित्रांगदा सिंह की अहम भूमिकाः फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। बैटल ऑफ गलवान भारतीय सेना की बहादुरी, बलिदान और अदम्य साहस की एक प्रभावशाली कहानी पेश करने का वादा करती है, जो दर्शकों को गर्व और भावनाओं से भर देगी।

ब्लू साड़ी में 'धुरंधर' एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने बिखेरा देसी ग्लैमर, अदाएं भी बाकमाल

फिल्म धुरंधर की शानदार सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनय के साथ-साथ सारा अपने फैशन सेंस को लेकर भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। वह अक्सर अपनी स्टाइलिश और खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। वहीं, हाल ही में फिर सारा ने अपनी नई तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट पर कहर बरपाया है। फैंस उनकी इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रणवीर सिंह की एक्ट्रेस ब्लू कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनकी इस साड़ी पर बना पिंक बॉर्डर उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है।

अपने इस ट्रेडिशनल लुक को सारा ने सटल मेकअप के साथ कैरी किया है, जिससे उनकी नेचुरल ब्यूटी और भी निखरकर सामने आई है। वहीं, बन हेयरस्टाइल उनके पूरे लुक को एलिगेंट टच दे रहा है।

एक्सेसरीज की बात करें तो सारा ने अपने लुक को ओवरडू न करते हुए सिल्वर नेकलेस और सिंपल ईयररिंग्स पहने हैं। ये एक्सेसरीज उनकी साड़ी के साथ परफेक्टली मैच कर रही हैं और उनके पूरे आउटफिट में चार चांद लगा रही हैं।

कातिलाना पोज ने लूटा फैंस का दिलः ब्लू साड़ी में सारा अर्जुन ने कैमरे के सामने अलग-अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। कभी उनकी मुस्कान दिल जीत लेती है तो कभी उनकी आंखों की अदाएं फैंस को दीवाना बना रही हैं। उनका हर एक पोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जैसे ही ये तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर छा गईं। फैंस ने उनकी पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स किए। कोई उन्हें अप्सरा बता रहा है तो कोई उनकी तारीफ करते हुए उन्हें गॉर्जियस कह रहा है।

बार्डर 2 ने गणतंत्र दिवस पर कमाई का गाड़ा झंडा ,कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ा

बॉर्डर 2 ने अपने पहले ही वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। बॉर्डर 2 की कमाई बताती है कि दर्शकों में देशभक्ति का जज्बा कितना भरा हुआ है। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांज और अहान शेट्टी स्टारर देशभक्ति फिल्म बॉर्डर 2 ने अपने पहले ही वीकेंड में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर बता दिया है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रुकने वाली नहीं है। 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग लेकर बॉर्डर 2 पहले ही कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। अब फिल्म ने 26 जनवरी (पहले हॉलीडे सोमवार) को कितना कलेक्शन किया है, चलिए जानते हैं।

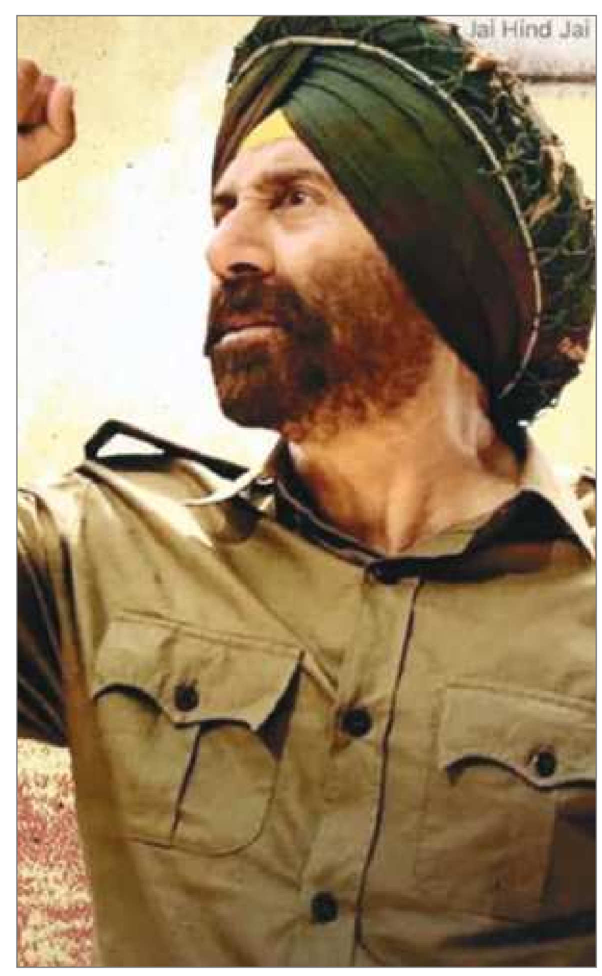

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 4: बॉर्डर 2 ने पहले ही दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 32।10 करोड़ रुपये से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने 40.59 करोड़ रुपये कमाए और तीसरे दिन यानी पहले रविवार फिल्म ने 57.20 करोड़ रुपये कमाकर शानदार वीकेंड पूरा किया। बॉर्डर 2 ने पहले वीकेंड 129.80 करोड़ रुपये कमाए हैं। अब अगर सैकनिल्क की मानें तो फिल्म की पहले सोमवार की कमाई में बड़ा उछाल आया है। फिल्म ने रपब्लिक डे पर 59 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ सैकनिल्क के अनुसार फिल्म की चार दिनों की कुल कमाई 180 करोड़ रुपये हो गई है। इस हिसाब से फिल्म ने अपने पांचवें दिन के कलेक्शन से भारत में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करती नजर आ रही है।

बॉर्डर 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन : सैकनिल्क के अनुसार, बॉर्डर 2 ने इन चार दिनों में ओवरसीज में 27 करोड़ रुपये और इंडिया में ग्रॉस 212.4 करोड़ रुयपे का कलेक्शन कर लिया है, जिससे फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 239.4 करोड़ रुपये हो गया है। रिपब्लिक डे वाले दिन फिल्म के ऑक्यूपेंसी रेट की बात करें तो फिल्म का मॉर्निंग शो में 40.39 फीसदी, आफ्टरनून शो में 79.75 फीसदी, इवनिंग शो में 79.90 फीसदी और नाइट शो में 57.50 फीसदी ऑक्यूपेंसी रेट दर्ज हुआ है।

फाइटर के दो साल पर ऋषभ ने कहा-

आभार, भरोसा जिसने उनकी ज़िंदगी बदल दी

फाइटर के दो साल पूरे होने पर ऋषभ साहनी ने इसे किसी बड़ी पार्टी से नहीं, बल्कि दिल से जुड़ी बातों के साथ याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें आभार, भरोसा और उस सफर की बात थी जिसने उनकी ज़िंदगी बदल दी। यह पोस्ट किसी करियर अपडेट जैसी नहीं, बल्कि बाहर से आए लोगों, सपने देखने वालों और उस अनदेखी ताकत को समर्पित थी, जो उन लोगों का साथ देती है जो खुद पर विश्वास करना जानते हैं।

ये कहानी शुक्रिया कहने और थोड़ी सी जादू पर भरोसा करने की है, ऋषभ ने लिखा। उन्होंने अपनी ये बात हर उस आउटसाइडर को समर्पित की, जिसे लगता है कि बड़े पर्दे तक पहुंचना नामुमकिन है। उनकी सोच के केंद्र में गुरु की

भारतीय परंपरा है, जहां गुरु को भगवान के बराबर, बल्कि कई बार उनसे ऊपर माना जाता है। इसी भावना के साथ उन्होंने फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद को अपना मार्गदर्शक बताते हुए लिखा, मेरे लिए आप वही इंसान रहे हैं।

पीछे मुड़कर देखते हुए ऋषभ ने बताया कि जो ऑडिशन कॉल उन्हें बस एक आम सा मौका लगा था, वही उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बन गया। उस ऑडिशन के बाद सिद्धार्थ आनंद के साथ उनकी लंबी और गहरी बातचीत हुई, और वहीं से उन्हें फाइटर में विलेन का रोल मिला, जो आगे चलकर उनका ब्रेकआउट पल बना। ऋषभ कहते हैं कि इस पूरे सफर ने उन्हें सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ सीखाया।

फिल्म मेकिंग को बेहद करीब से देखने से लेकर दबाव में भी शांत रहना और लीडरशिप समझने तक, ऋषभ के लिए यह सफर पूरी तरह बदल देने वाला रहा। उन्होंने कहा, ह्लउनके साथ काम करना और उन्हें अपना जादू करते देखना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का मौका था। फिल्मों की समझ, लीडरशिप और सबसे मुश्किल हालात में भी खुद को संभालना, ये सब मैंने वहीं सीखा। इस मौके, भरोसे और सीख के लिए उन्होंने दिल से शुक्रिया भी कहा।

उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ काम करने के असर को भी याद किया और बताया कि इससे उन्हें असली स्टारडम की सही समझ मिली। साथ ही उन्होंने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का भी शुक्रिया अदा किया, जिनके शुरूआती भरोसे ने उन्हें खुद पर यकीन दिलाया और अपने सफर को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाने की ताकत दी।

सबसे खास बात यह है कि ऋषभ अपनी सफलता को कितनी सादगी और विनम्रता के साथ साझा करते हैं। पर्दे पर विलेन की छवि से अलग, असल जिंदगी में वह जमीन से जुड़े, सोचने-समझने वाले और दूसरों को हौसला देने वाले नजर आते हैं। अपने जैसे सपने देखने वालों के लिए उनका सीधा और मजबूत संदेश है पूरी ताकत से आगे बढ़ो, बिना खुद पर शक किए। अगर यकीन है, तो कुछ भी मुमकिन है।

यह पोस्ट सिर्फ दो साल पूरे होने का जश्न नहीं है, बल्कि आभार, मेहनत और अपने सफर पर भरोसे की सच्ची कहानी है। ऋषभ साहनी का यह संदेश याद दिलाता है कि अगर यकीन हो, सही मार्गदर्शन मिले और कोशिश लगातार जारी रहे, तो सपने एक दिन बड़े पर्दे तक जरूर पहुंचते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा

महाकाल के दर्शन कर लौट रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली: दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां एक कार और अज्ञात वाहन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक कार में सवार सभी लोग महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से नोएडा लौट रहे थे। हादसा एक्सप्रेसवे के चेनेज नंबर 194 के पास हुआ जो पापड़दा और नांगल राजावतान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

पुलिस के मुताबिक हरियाणा नंबर की इस कार में पांच लोग सवार थे। यह सभी लोग उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार कार एक अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल युवक ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक कार को कई किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे

स्थिति और भयानक हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह सभी लोग हरियाणा के रहने वाले थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

खरीदारी कर घर लौट रहे पिता-पुत्री की मौत, मचा कोहराम

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एनएच-28 पर हुए दुखद सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति और उसकी जवान बेटी की मौत हो गई, जिससे पूरा इलाका सदमे और दुख में डूब गया। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के कच्ची पक्की चौक के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार, बेकाबू ट्रक ने पीछे से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

खरीदारी कर घर लौटे रहे थे दोनों: मृतकों की पहचान श्रीकांत राय (45) और उनकी बेटी आस्था कुमारी (17) के रूप में हुई है, जो मनियारी थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आस्था अपने पिता के साथ घर का सामान खरीदने बाजार गई थी। खरीदारी पूरी करने के बाद दोनों घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर करीब 2:30 बजे जैसे ही मोटरसाइकिल कच्ची पक्की चौक पर पहुंची, तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल और उस पर सवार दोनों लोग ट्रक के नीचे कुचल गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने के बाद सदर पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरारः सदर थाना प्रभारी अश्मित कुमार ने पुष्टि की कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेज दिया गया है। एसएचओ ने आगे बताया कि ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। ट्रक को जब्त कर लिया गया है, और पुलिस फरार ड्राइवर की पहचान करने और उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। सदर थाने में लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है। जैसे ही दुर्घटना की खबर मनियारी गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया। पिता और बेटी दोनों की अचानक मौत से परिवार सदमे में है, और पूरे गांव में दुख की चीखें गूंज रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए भारी वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की।

स्नोफॉल बनी आफत, हिमाचल में 835 सड़कें बंद जाम में फंसे पर्यटक, बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

शिमलाः हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य में तीन नेशनल हाईवे समेत कुल 835 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते आज से फिर बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, लाहौल-स्पीति जिले में सबसे अधिक असर देखने को मिला है। यहां नेशनल हाईवे-3 (लेह-मनाली) और एनएच-505 (काजा- ग्राम्फू) समेत करीब 282 सड़कें बंद हैं। शिमला जिले में 234, मंडी में 110, चंबा में 78, कुल्लू में 65 (जिसमें एनएच-305 सैंज-लुहरी-ऑट शामिल), सिरमौर में 41, किन्नौर में 18, कांगड़ा में चार और ऊना में तीन सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। प्रशासन द्वारा सड़कों से बर्फ हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

1942 ट्रांसफार्मर ठप, हजारों घर अंधेरे में: बर्फबारी के चलते राज्य में 1,942 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हो गए हैं। इनमें शिमला में 789, सिरमौर में 354, मंडी में 284, चंबा में 277, कुल्लू में 174, लाहौल-स्पीति में 27 और सोलन में 23 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इसके कारण हजारों घरों में बिजली आपूर्ति बाधित है।

रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी और बारिश दर्ज की गई, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहा। मनाली, ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और बिलासपुर में शीतलहर का प्रकोप बना रहा। लाहौल-स्पीति के ताबो गांव में न्यूनतम तापमान -10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यलो और ऑरेंज अलर्ट जारीः मौसम विभाग ने मंगलवार से पूरे प्रदेश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, कुल्लू, किन्नौर, चंबा और लाहौल-स्पीति जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जहां भारी बर्फबारी और बारिश की संभावना जताई गई है। अन्य जिलों में गरज-चमक और ठंडे दिन रहने का अनुमान है।

पर्यटकों की बढ़ी मुश्किलेंः लगातार हो रही बर्फबारी के बाद हिमाचल में पर्यटक बुरी तरह फंस गए हैं। शिमला से मनाली तक कई स्थानों पर लंबा जाम लगा हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बर्फ से ढकी गाड़ियां दिखाई दे रही हैं। एक पर्यटक ने बताया कि उनकी गाड़ी 24 घंटे से एक ही स्थान पर खड़ी है और वाहन के ऊपर तक बर्फ जम चुकी है। कई मार्ग पूरी तरह बर्फ से ढक गए हैं, जिससे आवाजाही ठप है।

नितिन नबीन ने मथुरा में फूंका चुनावी बिगुल, कहा-

कमर कस लीजिए, देश को बांटने वाली ताकतों से भी लड़ना है

एजेंसी/ लखनऊः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए मथुरा से चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है, जब हर कार्यकर्ता को कमर कसकर मैदान में उतरना होगा, क्योंकि 2027 दूर नहीं है। नितिन नबीन ने कहा कि देश में कुछ ऐसी ताकतें हैं, जो समाज को तोड़ने और बांटने की राजनीति करती हैं। ये लोग केवल चुनाव के वक्त सक्रिय होते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ऐसी सोच का मुकाबला करने का आह्वान किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में बंदूक की नोक पर सरकारें चलती थीं, लेकिन आज प्रदेश में जनता के मत से चुनी गई सरकार सुशासन के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूपी जिस तेजी से प्रगति कर रहा है, वह कुछ लोगों को पसंद नहीं आ रहा।

जो लोग राजनीति को केवल टाइमपास समझते हैं, चुनाव आते ही सक्रिय हो जाते हैं और बाद में विदेश चले जाते हैं, अब उन्हें जवाब देने का वक्त आ गया है। अपने संबोधन में नितिन नबीन ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उन्हें सक्रिय राजनीति में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र है अगर एक कदम हम बढ़ाएं, तो 140 करोड़ कदम देश आगे बढ़ेगा। इसी भावना के साथ युवाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने में योगदान देना होगा। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि काशी, अयोध्या और मथुरा जैसे धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास सरकार की सनातन परंपराओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ प्रदेश की विकास यात्रा को भी नई दिशा दी है।

पश्चिम बंगालः दक्षिण 24 परगना के गोदामों में भीषण आग, 8 लोगों की दर्दनाक मौत

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ सोमवार को दो गोदामों में लगी भीषण आग ने कम से कम आठ लोगों की जान ले ली। यह हादसा कोलकाता के नरेन्द्रपुर थाना क्षेत्र के नजीराबाद इलाके में हुआ।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नजीराबाद में स्थित दो गोदाम, जो एक-दूसरे के बिल्कुल बगल में थे, अचानक आग की लपटों में घिर गए। आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को लगभग सात घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान करीब पांच बजे घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए और बाद में पांच अन्य शवों को ढूंढ निकाला गया।

जिले के पुलिस अधीक्षक शुभेंदु कुमार ने बताया कि शव बुरी तरह झुलसे होने के कारण अभी मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि मलबा पूरी तरह से साफ होने के बाद ही पता चल पाएगा कि संबंधित स्थल पर कोई और शव तो नहीं है या मलबे में कोई व्यक्ति फंसा तो नहीं है। पुलिस ने बताया कि शुरूआत में छह लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी लेकिन फंसे हुए लोगों के परिवारों के मुताबिक यह संख्या 10 से अधिक हो सकती है क्योंकि पास के गोदामों में साज सज्जा का काम करने वाली एक कंपनी और मोमो बेचने वाली एक कंपनी के मजदूर काम करते थे।

अग्निशमन सेवा मंत्री सुजीत बोस ने बताया कि बचाव अभियान जारी है। बोस ने दो इकाइयों के प्रबंधन द्वारा अपनाए जा रहे अग्नि सुरक्षा नियमों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ॡवर्ष में दो बार अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाता है और हर खामी को दूर किया जाता है, फिर भी मालिकों व कंपनी के अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करें।ॡ जैसे ही शाम ढलने लगी, मृतकों और लापता व्यक्तियों के कई रिश्तेदार घटनास्थल पर जमा हो गए और अग्निशमन सेवा एवं पुलिस अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेने लगे।

एक व्यक्ति ने बताया, ॡपूर्वी मेदिनीपुर के तमलुक के रहने वाले मेरे चाचा गोदाम के अंदर बने छोटे कमरों में रह रहे थे। वे एक कंपनी में काम करते थे। उन्होंने आखिरी बार रात करीब एक बजे फोन किया था और अब उनका फोन बंद है।ॡ उसने कहा कि वह सुबह नौ बजे से उनका फोन आने का इंतजार कर रहा है। एक अन्य युवक ने बताया कि उसके पिता मोमो बनाने की एक इकाई में रात्रि पाली में काम के लिये आए थे और तब से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। मृत या लापता सभी लोग पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जिलों के निवासी हैं।

ट्रंप की नीतियां व वैश्विक तनाव के कारण सोना- चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली: बाजार में इन दिनों कीमती धातुओं की चमक देखते ही बन रही है। सोने और चांदी की कीमतों ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार सोना $5,000 प्रति औंस के जादुई आंकड़े को छू गया है, वहीं चांदी भी $110 प्रति औंस के ऊपर निकल गई है।

भारतीय बाजार का हालः 4 लाख की ओर चांदी

घरेलू बाजार में भी कीमतें आसमान छू रही हैं:

सोनाः 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 1,61,960 रुपये (प्रति 10 ग्राम) तक पहुंच गई है।

चांदीः वर्तमान में चांदी 3,60,100 रुपये प्रति किलो पर बिक रही है, और विशेषज्ञों का मानना है कि यह जल्द ही 4 लाख रुपये का आंकड़ा पार कर सकती है।

क्यो बढ़ रहे हैं दाम? (प्रमुख कारण) : कीमतों में इस तूफानी तेजी के पीछे मुख्य रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां और वैश्विक तनाव जिम्मेदार हैं।

ट्रंप की नीतियां और राजनीतिक तनावः ट्रंप के आक्रामक रुख के कारण अमेरिका का ईरान और यूरोपीय देशों के साथ विवाद बढ़ रहा है। साथ ही, कनाडा को टैरिफ की धमकी और ग्रीनलैंड जैसे मुद्दों ने निवेशकों को डरा दिया है।

डॉलर की कमजोरीः अमेरिकी करेंसी इंडेक्स में पिछले कुछ दिनों में 2% की गिरावट आई है। जब डॉलर कमजोर होता है, तो लोग करेंसी की जगह सोने में पैसा लगाना सुरक्षित समझते हैं।

सुरक्षित निवेश की तलाशः दुनिया भर में जारी अस्थिरता (जैसे वेनेजुएला संकट और चीन के साथ ट्रेड वॉर की आशंका) के कारण निवेशक बॉन्ड और शेयर बाजार के बजाय गोल्ड को सबसे भरोसेमंद मान रहे हैं।

मुनाफे का गणित और भविष्य का अनुमानः इस साल अब तक सोने ने निवेशकों को 17% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों और ग्लोबलडेटा के अनुमान के मुताबिक, तेजी का यह सिलसिला रुकने वाला नहीं हैः 2026 के अंत तकः सोना 1.75 लाख से 1.95 लाख रुपये तक जा सकता है।

चांदी का लक्ष्यः चांदी के 3.80 लाख से 4.60 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

जिस रफ्तार से कीमतें बढ़ रही हैं, मुमकिन है कि अगले कुछ ही महीनों में सोना 2 लाख रुपये और चांदी 4 लाख रुपये के नए शिखर को छू ले।

कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे ट्रंप, पीएम कार्नी बोले, हमारी अर्थव्यवस्था को बाहरी खतरा

एजेंसी/ ओटावाः कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के सामने झुकने से इनकार कर दिया है। मार्क कार्नी ने शनिवार को अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की नई टैरिफ धमकी के जवाब में देशवासियों से कनाडाई सामान खरीदने का आह्वान किया है। शनिवार को ही अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से व्यापारिक संबंधों को लेकर कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। मार्क कार्नी ने चेतावनी दी कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पर फिलहाल विदेश से खतरा है। उन्होंने इसका मुकाबला करने के लिए ऐसी रणनीति की वकालत की, जिसमें देश खुद अपना सबसे अच्छा ग्राहक बने। कार्नी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था विदेश से खतरे में हैं। कनाडाई लोगों ने एक विकल्प चुना है- उस पर ध्यान केंद्रित करना, जिस पर हम कंट्रोल कर सकते हैं। कनाडाई पीएम ने आगे कहा कि हम कंट्रोल नहीं कर सकते कि दूसरे देश क्या करते हैं। हम खुद अपने सबसे अच्छे ग्राहक बन सकते हैं। हम कनाडाई सामान खरीदेंगे। हम कनाडा में निर्माण करेंगे। साथ मिलकर हम और मजबूत बनेंगे। कार्नी का संदेश अमरीका के साथ बढ़ते तनाव के बीच आया है। शनिवार को ट्रंप ने कनाडा और पीएम मार्क कार्नी को चीन के साथ आर्थिक डील के खिलाफ खुली चेतावनी दी थी कि अगर ओटावा ऐसे समझौतों पर बढ़ता है तो उस पर भारी शुल्क लगाया जाएगा।

कनाडा और चीन आ रहे करीबः ट्रंप की टिप्पणी मार्क कार्नी की इसी महीने की गई बीजिंग की यात्रा को लेकर थी, जिसका मकसद कनाडा और चीन के आर्थिक सहयोग को फिर से शुरू करना था। चीन कनाडा का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इस यात्रा के परिणामस्वरूप कुछ कनाडाई कृषि निर्यात पर टैरिफ कम करने और कनाडाई बाजार में आने वाले चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर कोटा लगाने की सहमति बनी। यह फ्रेमवर्क कनाडा में चीनी निवेश के लिए रास्ता खोल सकता है, जिससे राष्ट्रपति ट्रंप डरे हुए हैं।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

राजेश कच्छप
बैंक मैनेजर लचरागढ़

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

विवेकानंद शिशु मंदिर स्कूल
लचरागढ़

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

प्रवीण कुमार साहू

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

सफीक खान
झामुमो सिमडेगा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

हर्ष कुमार शाह
थाना प्रभारी
कोलेबिरा, सिमडेगा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

मानव मयंक
थाना प्रभारी
बानो

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

निरंजन कुमार

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

दुतामी हेमरोम
प्रखंड प्रमुख
कोलेबिरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

अनुप कच्छप
अंचलाधिकारी
कोलेबिरा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

फादर अलबीनयूस केरकेट्टा
प्रभारी प्रिंसिपल
संत दोमिनिक इंटर कॉलेज
लचरागढ़, सिमडेगा।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

आरसी मध्य विद्यालय
लचरागढ़

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

संत बियानी हाई स्कूल
लचरागढ़

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

सरवन कुमार
(संवेदक) खूंटी

77 वें गणतंत्र दिवस पर रांची नगर निगम क्षेत्र सहित सभी झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ साजदा खातून
वार्ड संख्या 23 की निवर्तमान पार्षद
सह पार्षद उम्मीदवार

गणतंत्र दिवस पर सिल्ली मुरी समेत पूरे देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

निवेदक : अरुणिमा एक्का
अंचल विकास पदाधिकारी
मुरी सिल्ली रांची।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

डॉक्टर बलकू महतो
स्टेशन रोड़ बानो
जिला सिमडेगा झारखंड।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

बालमुकुंद कश्यप
समाजसेवी, मुख्य ट्रस्टी
गायत्री परिवार, खूंटी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

अरूण साबू
उप प्रमुख
मुरहू

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

सैयूम अंसारी
कांग्रेसी नेता सह
अध्यक्ष मजदूर यूनियन, खूंटी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

संगीता मांझी
(प्राचार्य)
स्प्रिंगडल्स पब्लिक स्कूल, खूंटी